मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 19 अप्रैल 2025

संवत 2082, वैशाख कृष्ण 7 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 224 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ प्राइवेट स्कूल का शिक्षक और उसकी गूंगी पीड़ा

हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनीं प्रियंका जैक एफ्रॉन के साथ आएंगी ◀◀ 6

संदिग्ध अवस्था में दो युवकों का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

सड़क दुर्घटना में मौत की आशंका

संवाददाता

हजारीबाग: जिले के लोहसिंघना थाना अंतर्गत झील परिसर के पास से दो युवकों का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया है। देखने के लिए शनिवार सुबह लोगों की भीड़ लग गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आशंका जताई जा रही है कि देर रात सड़क दुर्घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण दोनों की जान चली गई। जब सुबह झील पर स्वास्थ्य लाभ लेने के लोग पहुंचे तो दो युवकों का शव सड़क किनारे देखा। इसकी जानकारी हजारीबाग पुलिस को दी गई। हजारीबाग पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मोटरसाइकिल जबत कर लिया गया है। पूरे मामले की तफ्तीश की जा रही है।

लोहसिंघना थाना प्रभारी पन्ना यादव ने बताया कि दो युवकों का शव झील के पास मिला है। दोनों की पहचान कर ली गयी है, एक हजारीबाग के हरिनगर और दूसरा गिद्दी का रहने वाला है और दोनों का नाम विशाल ही है। वहीं पुलिस आसपास की सीसीटीवी कैमरे भी खंगालने की कोशिश कर रही है ताकि घटना के समय के अलावा और भी जानकारी मिल सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह झील परिसर में कई लोग स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए आते हैं। उन्हीं लोगों के बीच में कुछ लोगों ने देखा कि दो लोगों का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है। आशंका लगाई गई कि हत्या करके दोनों का शव झील परिसर में फेंक दिया गया है। जब पुलिस ने शव को कब्जे में लिया तो पाया गया कि सिर पर चोट के निशान हैं। प्रथम द्दष्टा यह प्रतीत हुआ कि सड़क दुर्घटना में ही दोनों की मौत हुई है।

इस घटना ने पुलिस पेट्रोलिंग पर भी सवाल निशान खड़ा कर दिया है। झील परिसर के आसपास कई बड़े अधिकारियों का आवास है। पेट्रोलिंग गाड़ी इस क्षेत्र से गुजरती तो इन दोनों पर नजर पड़ती। समय पर इन्हें अस्पताल ले जाया जाता तो शायद जान बच सकती थी।

आशंका जताई जा रही है कि देर रात सड़क दुर्घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण दोनों की जान चली गई। जब सुबह झील पर स्वास्थ्य लाभ लेने के लोग पहुंचे तो दो युवकों का शव सड़क किनारे देखा। इसकी जानकारी हजारीबाग पुलिस को दी गई। हजारीबाग पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद में गिरी छह मंजिला इमारत, चार की मौत

मलबे में कई लोग दबे होने की आशंका

नई दिल्ली: पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। एक छह मंजिला इमारत अचानक ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जबकि कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। धूल भरी आंधी के कारण हुआ हादसाः अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनीत कुमार ने बताया कि घटना शाम 7 बजे की है। धूल भरी आंधी के कारण इमारत ढह गई। मौके पर पहुंचने पर यह सामने आया कि इमारत का निर्माण कार्य चल रहा था। हाल ही में पिछले सप्ताह भी धूल भरी आंधी के कारण मधु विहार पुलिस थाने के पास एक निर्माणाधीन बिल्डिंग गिर गई थी, जिसमें एक शख्स की मौत हुई थी और दो लोग घायल हुए थे।

मलबे में कई लोग दबे होने की आशंका: डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि सुबह करीब 2:50 बजे मलबे के नीचे दबे लोगों की सूचना मिली। एनडीआरएफ और दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। अब तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। एक स्थानीय व्यक्ति ने सीसीटीवी कैमरे में इमारत गिरने की घटना कैद की है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

नाव में खाना बनाते समय हुआ धमाका, 143 लोगों की मौत, कई लापता

कांगो : दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में एक भयावह नाव हादसे में कम से कम 143 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। यह दर्दनाक राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम पर हुई, जो दुनिया की सबसे गहरी नदी मानी जाती है। बताया जा रहा है कि यह नाव तय सीमा से ज्यादा यात्रियों को लेकर यात्रा कर रही थी। इसी दौरान नाव पर मौजूद एक महिला खाना बना रही थी, तभी आग पास रखे अत्यधिक ज्वलनशील ईंधन के संपर्क में आ गई और जोरदार विस्फोट हो गया। इससे नाव में आग लग गई और कुछ ही देर में अफरा-तफरी के बीच नाव पलट गई। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। जांच प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख जोसेफिन लोकुमु ने बताया कि अब तक 145 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें कई शव बुरी तरह जले हुए हैं, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो रही है।

बाराती गाड़ी ने खड़े ट्रक को मारी टक्कर, 6 बच्चे सहित 2 गंभीर

हजारीबाग: जिले के बगोदर एनएच-522 टाटीझरिया के लाइनहोटल चौक के पास शनिवार सुबह 3 बजे शादी कार्यक्रम से लौट रही बाराती गाड़ी बोलेरो (जेएच-02जेड-8547) ने खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के सामने का पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बोलेरो में बैठे छह बच्चे समेत दो लोग खून से लथपथ हो गए। सभी को तुरंत हजारीबाग अस्पताल ले जाया गया। सभी का इलाज हजारीबाग आरोग्यम, सदर अस्पताल और रिम्स में चल रहा है।

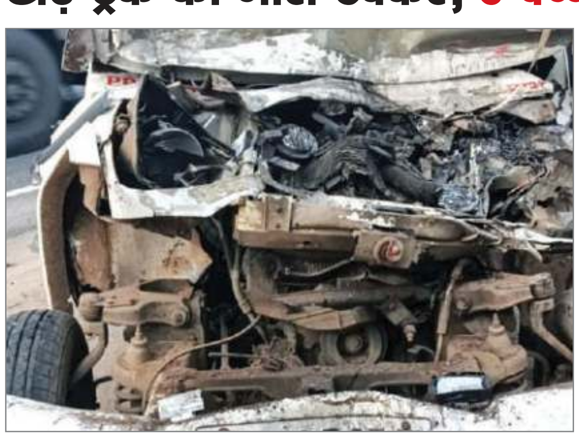

बोलेरो ड्राइवर को झपकी आने के कारण हुआ हादसाः जानकारी के मुताबिक बोलेरो ड्राइवर धर्मपुर निवासी पंकज साव को शादी कार्यक्रम से लौटते वक्त झपकी आ गयी। वे सभी टाटीझरिया के धरमपुर से हजारीबाग दीपुगढ़ा बारात गए हुए थे। इस हादसे में घायलों में चालक के अलावा दीपाली कुमारी (उम्र 10 साल, पिता रामचंद्र यादव), राकेश साव (उम्र 12 वर्ष पिता विजय साव), अंजलि कुमारी (उम्र 12 वर्ष पिता बिनोद यादव), कुमकुम देवी (उम्र 20 वर्ष पति रामचंद्र यादव), कुहु कुमारी (उम्र 2 वर्ष पिता आयुष यादव) आकांक्षा कुमारी (उम्र 7 वर्ष पिता अमर यादव), अभिमन्यु कुमार (उम्र 5 वर्ष पिता अमर यादव) शामिल हैं।

बारात से लौटते वक्त सुबह तीन बजे हुआ हादसा: बताया जाता है कि सभी लोग धर्मपुर गांव निवासी सहदेव यादव के छोटे पुत्र रवि यादव के बारात में हजारीबाग के न्यू कॉलोनी, दीपुगढ़ा कनहरी हिल रोड में शामिल होने गये थे। बारात से वापस लौटते वक्त सुबह करीब तीन बजे यह दुर्घटना हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग जमा हो गये और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसा के बाद दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को पुलिस थाने ले आयी, वहीं, ट्रक फरार हो गया। पुलिस अधिकारी घटना की तहकीकात करने में लगे हैं।

ग्रामीण महिलाओं पर जंगली हाथियों ने किया हमला ,एक घायल

संवाददाता

लातेहार: जिले के कई इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक चरम पर पहुंच गया है। शनिवार को बालूमाथ थाना क्षेत्र के मारंगलोइया गांव के पास जंगल में महुआ चुनने गई महिलाओं पर जंगली हाथियों के झुंड में से एक हाथी ने हमला कर दिया।

इस घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। महिला के पेट में गंभीर चोट लगी है। हालांकि अन्य महिलाएं किसी प्रकार अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मामले की छानबीन में जुट गई है।

दरअसल बालूमाथ थाना क्षेत्र के मारंगलोइया गांव के पास स्थित जंगल में लगभग 17-18 की संख्या में जंगली हाथियों का जमावड़ा लगा हुआ है। इसी बीच शनिवार की सुबह गांव की महिलाएं महुआ चुनने के लिए जंगल में गईं। महिलाएं तथा अन्य लोग अलग-अलग पेड़ों के पास महुआ चुन रहे थे। इसी दौरान जंगली हाथियों का झुंड वहां आ पहुंचा। इन हाथियों में से एक हाथी ने महुआ चुन रही महिला सुनीता देवी पर हमला कर दिया और उसे सूंड में लपेटकर काफी दूर फेंक दिया।

इस घटना में महिला को गंभीर चोट आई। हालांकि महिला ने हिम्मत का परिचय देते हुए पेड़ की ओट में छिपकर अपनी जान बचाई। इधर हाथियों को अचानक आया देख महुआ चुन रही अन्य महिलाएं हल्ला मचाते हुए वहां से भागी। महिलाओं के चिल्लाने की आवाज सुनकर गांव के लोग भी वहां पहुंचे और शोर मचाने लगे। जिससे जंगली हाथी जंगल में घुस गए। बाद में स्थानीय ग्रामीणों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। जहां महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद तुरंत रिम्स रेफर कर दिया।

वन विभाग की टीम जांच में जुटी: इस घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएफओ प्रवेश अग्रवाल के निर्देश पर वन विभाग की टीम घटनास्थल का मुआयना किया। वहीं घायल महिला से मिलने अस्पताल भी पहुंचे। विभाग के द्वारा घायल महिला के इलाज के लिए उचित मुआवजा भी दिए जाने की बात कही गई। इस संबंध में रेंजर नंदकुमार महतो ने बताया कि महिला सुबह में महुआ चुनने गई थी। जहां हाथी के हमले में वह घायल हो गई हैं। महिला को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। विभाग के द्वारा तत्काल घायल के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गई है। बेहतर इलाज की पूरी व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जंगली हाथियों को इस इलाके से दूर भगाने के लिए भी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सूर्योदय के बाद ही घने जंगलों में जाएं ग्रामीण: रेंजर ने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगलों में सूर्योदय के बाद ही जाएं। उन्होंने कहा है कि अनावश्यक रूप से जंगल में जाने से बचे। यदि महुआ चुनने जाना है तो समूह बनाकर ग्रामीण एक साथ सूर्योदय होने के बाद जंगल में जाएं और शाम 5:00 से पहले वापस लौट आए। उन्होंने कहा कि देर शाम से लेकर अहले सुबह तक जंगली जानवर ज्यादा आक्रामक होते हैं। इस दौरान जंगल में जाना खतरनाक हो सकता है।

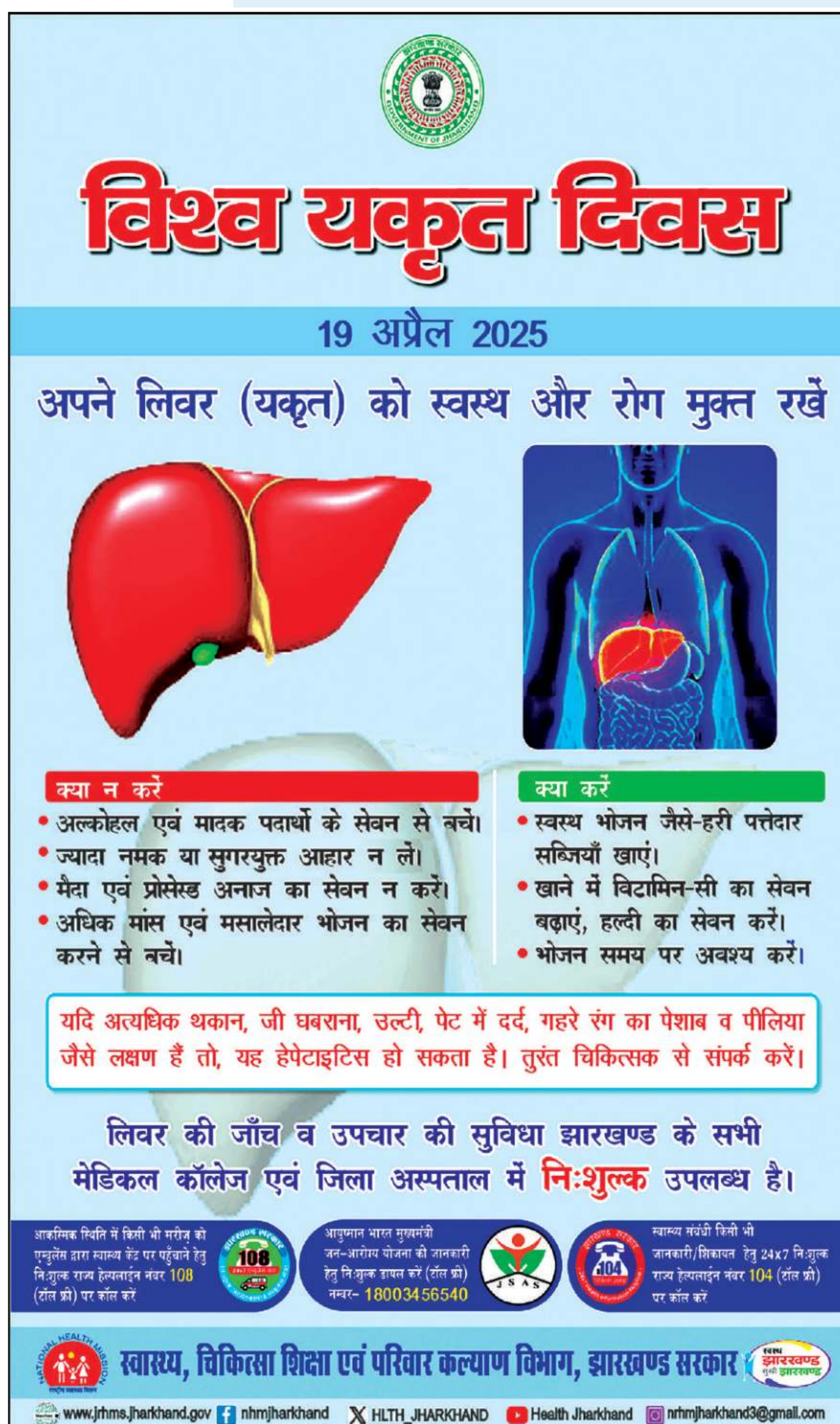

अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता

चतरा: अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत शुक्रवार को अग्निशमन विभाग की ओर से जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के पहले दिन सदर प्रखंड क्षेत्र के धमनियां मिश्रौल में संचालित डायटोन ग्रेन राइस मिल और पुरानी कचहरी रोड़ स्थित आरबी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान 14 से 20 अप्रैल तक चलेगा। अग्निशमन अधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से हंटरगंज, इटखोरी, टंडवा आदि प्रखंडों में यह अभियान चलाया गया। दो दिनों में शहर के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से बैक, अस्पताल, पेट्रोल पंप अदि स्थानों पर यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान लोगों को आग पर काबू पाने के तरीके बताए जा रहे हैं। आग लगने पर अग्निशमन सलेंडर से आग कैसे बुझाया जाय, यह लोगों को बताया जा रहा है। राइस मिल में मजदूरों को आग लगने की स्थिति में इससे बचाव की विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर अग्निशमन के चतरा प्रभारी बुद्धनाथ उरांव, राइस मिल के मालिक उदय वर्मा, भास्कर मिश्रा, आरबी हॉस्पिटल में निदेशक जीएस राजू, विनय कुमार केसरी सहित अन्य कई उपस्थित थे।

नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में

सारंडा की नाकेबंदी, मंकी रिजर्व फॉरेस्ट तक पहुंचे सुरक्षाबल

संवाददाता

रांची: सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में पहुंच गई है। सुरक्षा बल नक्सलियों की घेराबंदी को ध्वस्त कर सारंडा के मंकी रिजर्व फॉरेस्ट तक पहुंच चुके हैं। सारंडा की निर्णायक लड़ाई जीतने के लिए सैप बटालियन के साथ झारखंड पुलिस के कई अफसरों को अभियान में लगाया गया है।

स्पेशल अफसर पहुंचे सारंडा: राज्य में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में पहुंच गई है। नक्सलियों का शीर्ष नेतृत्व सारंडा में डेरा डाले हुए है, जिसके खात्मे के लिए अब वैसे अफसरों को लड़ाई में उतार दिया गया है जो नक्सल अभियान में माहिर हैं। निर्णायक अभियान में सैप बटालियन के साथ झारखंड पुलिस के कई डीएसपी को भी लगाया गया है, जबकि झारखंड जगुआर और केंद्रीय बल पहले से ही सारंडा में मौजूद हैं।

सुरक्षा बल मंकी रिजर्व फॉरेस्ट तक पहुंचे: सारंडा की लड़ाई को इसलिए भी निर्णायक कहा जा रहा है क्योंकि सुरक्षा बल मंकी रिजर्व फॉरेस्ट तक पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। आपको बता दें कि मंकी रिजर्व फॉरेस्ट में सैकड़ों की तादाद में बंदरों का बसेरा है। इस इलाके में नक्सलियों ने एक तरह से अपना मुख्यालय बना रखा था। खुद को सुरक्षित रखने के लिए नक्सलियों ने मंकी रिजर्व फॉरेस्ट के दक्षिणी क्षेत्र तक दर्जनों बंकर बना रखे थे जिन्हें सुरक्षा बलों ने नष्ट कर दिया है। झारखंड के डीजीपी ने बताया कि मंकी रिजर्व फॉरेस्ट के आसपास नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

तमाम मददगारों के यहां छापेमारी: एक ओर झारखंड पुलिस और केंद्रीय बल के अधिकारी और जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने में कामयाब हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर नक्सलियों के मददगारों के खिलाफ भी छापेमारी शुरू कर दी गई है। डीजीपी ने बताया कि उन तमाम नक्सलियों के सपोर्टर के घर छापेमारी की जा रही है, जो उन्हें अनाज और दूसरे सामान मुहैया करा रहे हैं। छापेमारी के दौरान अनाज से लेकर लोहे की छड़ तक बरामद की गई। जो छड़ें बरामद की गई हैं, उनका इस्तेमाल नक्सली अपने बमों और जवानों को ट्रैक करने के लिए बनाए गए बूबी ट्रैप में करते हैं।

इंटेलिजेंस बेस्ड अभियान: चाईबासा के जराइकेला, रेंगरा, टोंटो, सोनुवा, जेटेया, गुदरी और टुम्बाहाता ऐसे इलाके हैं, जहां जंगलों में कदम-कदम पर नक्सलियों ने जमीन के नीचे मौत का साजो-सामान बिछा रखा है, जो आखिर में मंकी रिजर्व फॉरेस्ट तक पहुंचता है। मंकी रिजर्व फॉरेस्ट बाबूदेड़ा के दक्षिण तक फैला हुआ है। इन इलाकों में अधिकांश जगहों से नक्सलियों को खदेड़ दिया गया है, अब यहां इंटेलिजेंस बेस्ड अभियान शुरू किया गया है। मंकी रिजर्व फॉरेस्ट में एक सप्ताह पहले तक नक्सलियों का जमावड़ा था। लेकिन अब वे वहां से भी फरार हो चुके हैं।

60 से अधिक नक्सलियों की संख्या, अधिकांश इनामी: दरअसल, कोल्हान में शीर्ष नक्सली नेताओं ने पनाह ले रखा है। बूढ़ा पहाड़ के बाद कोल्हान ही एकमात्र ऐसा स्थान है, जिसे नक्सलियों ने अपना मुख्यालय के रूप में स्थापित किया था। मुख्यालय होने के कारण यहां एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली नेताओं का भी बसेरा है। जानकारी के अनुसार, सारंडा में एक करोड़ रुपये का इनामी मिसिर बेसरा, अनमोल दा, टेक विश्वनाथ उर्फ ??संतोष, मोछू, चमन, कंडे, अजय महतो, सागेन अंगारिया और अश्विन जैसे खतरनाक नक्सली कमांडर मौजूद हैं। इनके पास 60 से अधिक लड़ाके हैं, जो गुरिल्ला वॉर में माहिर हैं।

जयप्रकाश डैम में डूबने से दो स्कूली छात्रों की मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

चार बच्चे गए थे नहाने, एक दूसरे को बचाने मे गई दो की जान

संवाददाता

चतरा: जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के जयप्रकाश डैम में डुबने से दो स्कूली बच्चों की मौत हो गयी। घटना शुक्रवार की दोपहर की बताई जाती है। मृत बच्चों की पहचान बलवादोंहर गांव निवासी जितेन्द्र राय के 13 वर्षिय पुत्र शिवकुमार एवं बभने गांव निवासी दीपनारायाण पासवान के 11 वर्षीय पुत्र पृथ्वी कुमार के रूप में हुई है। मृतक के पिता जितेंद्र रॉय व दीपनारायण पासवान वर्तमान में बलवादोहर गांव में घर बनाकर रह रहे थे। दोनो बच्चों का शव काफी मशक्कत के बाद स्थानीय तैराकों द्वारा बाहर निकाल लिया गया। इधर घटना की सूचना पाकर प्रतापपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा दोनों मृत बच्चों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल भेज दिया।जानकारी के अनुसार बलवादोहर गांव से चार स्कूली बच्चे बिना परिजनो को बताए सुबह 11 बजे बिना जयप्रकाश डैम में नहाने गये थे। नहाने के दौरान बच्चे गहरे पानी मे चले गए। जिसके बाद एक दूसरे को बचाने मे दो बच्चे शिवकुमार और पृथ्वी गहराई मे समा गए। जिसके बाद साथ में नहा रहे दो अन्य बच्चे किसी तरह पानी से बाहर निकले और गांव में जाकर परिजनो को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद परिजन ग्रामीणों के साथ डैम पहुंचे और स्थानीय तैराकों के मदद से दोनो बच्चों के शव को डैम से बाहर निकाला। बच्चों के शव को देखते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। ईलाके मे शोक की लहर दौड़ गई। मृतक शिवकुमार ने इस वर्ष आठवीं बोर्ड परीक्षा दिया था।

मानवता, प्रेम, आदर और क्षमा का संदेश देता है गुड फ्राइडे

संत तेरेसा गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

संवाददाता

चतरा: संत तेरेसा गिरजाघर परिसर में गुडफ्राइडे के अवसर पर शुक्रवार को विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। फादर नोबोर कुजूर ने ईसाई धर्मावलंबियों को मानवता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि जन कल्याण के लिए प्रभु यीशु ने जन्म लिया था। दुनिया के लोगों को पाप से छुटकारा के लिए प्रभु यीशु ने अपना बलिदान क्रुश पर चढकर दिया। उनका एक मात्र उद्देश्य संसार में पाप कम करना था। गुड फ्राइडे मानवता, प्रेम, आदर और क्षमा का संदेश देता है। इसके बाद प्रभु यीशु को क्रूस पर लटकाने से पूर्व उनके साथ घटित घटनाओं पर आधारित झांकी प्रस्तुत की गई। फादर नोबोर कुजूर ने बताया कि मानव के कल्याण के लिए प्रभु यीशु का जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि प्रभु यीशु को फ्राइडे के

दिन ही कलवारी पहाड़ी पर क्रूस से लटकाया गया था। क्रूस पर लटकाए जाने से पूर्व उनके शरीर पर चौदह स्थानों पर विभिन्न प्रकार की यातनाएं दी गई थी। जिसमें प्रमुख व अमानवीय यातनाएं दसवें तथा ग्यारहवें स्थान पर उनका कपड़ा उतारा जाता है। 12वें स्थान पर उन्हें क्रूस पर चढ़ा दिया जाता है। 13वें स्थान पर प्रभु यीशु को क्रूस से उतारा जाता है और 14वें स्थान पर उन्हें कब्र पर रखा जाता है। फादर ने बताया कि मृत्यु के तीन दिन बाद यानी प्रभु यीशु पुनः जीवित हो गए थे। जिसकी खुशी में ईस्टर पर्व मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रभु यीशु ने अपनी जान देकर भी मानव जाति की रक्षा की थी। तभी मानव जाति स्वतंत्र, आजाद व जीवित है। इसी खुशी में हम गुड फ्राइडे मनाते है। इसके बाद प्रभु यीशु के अनुयायियों ने मिस्सा पूजा का आयोजन किया।

घरेलू विवाद में महिला ने खाया जहर ,मौत

परिजनो ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता

चतरा: जिले के पत्थलगड्डा प्रखंड के उरुब गांव में शुक्रवार को घरेलू कलह में संगीता देवी नामक महिला ने जहर खाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया है। मृतिका की माता ललिता देवी ने ससुराल वालों पर पुत्री की हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतिका की मां ने बताया कि घर में खाना बनाने को

लेकर हमेशा विवाद होता था। पति शैलेश कुमार और सास द्वारा छोटी छोटी बात को लेकर हमेशा मारपीट किया जाता था। मां ने बताया कि चार माह पूर्व विवाद को लेकर उनकी पुत्री मायके चली आई थी। डेढ़ माह पूर्व पति शैलेश विदाई करवाकर पुत्री को ले गया था। इसके बाद भी मारपीट की घटना रुक नहीं रही थी। उन्होंने बताया कि कई कई दिन तक उनकी पुत्री को भूखा रखा जाता था। बताया की पुत्री के ससुराल से शुक्रवार को अचानक फोन आया कि उनकी पुत्री ने विषपान कर आत्महत्या कर ली है। मृतिका के माता ने आरोपी ससुराल वालों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

पूर्व विधायक कामरेड राजेन्द्र सिंह मुंडा की पुण्यतिथि मनी

मुरी: माकपा एवं झारखंड राज्य किसान सभा ने पूर्व विधायक कामरेड राजेन्द्र सिंह मुंडा की चौथी पुण्यतिथि बरसालडीह (सोनाहातु) में सम्मान पूर्वक मनायी गयी। प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। राजेन्द्र सिंह मुंडा अमर रहे, राजेन्द्र सिंह मुंडा हम तुम्हें भूलें है न भूलेंगे, किसान - मजदुरो के लिए संघर्ष तेज करो आदि नारे लगे। रहे थे ।उन का पूरा जीवन किसान_ मजदूरों के लिए संघर्ष का रहा था , उनके नेतृत्व में पांचपरगना क्षेत्र में चले किसान आन्दोलन 75 से 92 तक 65 से ज्यादे साथी शहीद हो गए थे, उस आन्दोलन के दौरान सिल्ली विधानसभा से तीन बार विधायक चुने गए थे। मुंडा 15 मार्च 1988 में शहीद हुए थे। भारत बंद के

दौरान उनपर सीधा हमला किया गया था। 25 राउंड गोलियां पुलिस द्वारा बर्बरता के साथ चलाईं गई, जिसमें शशोधर मुंडा शहीद हुए एवं 14 लोग गंभीर रूप में घायल हुए थे। 10 अप्रैल 1992 में डोरेया में हमला किया गया जिसमें गोपाल सिंह मुंडा एवं कांडे मुंडा शहीद हुए थे।हर बार जीवित बचे एवं किसान मजदूरों के लिए संघर्ष में लगे रहे लेकिन करोना के हमले में कामरेड राजेन्द्र सिंह मुंडा एवं पुत्र किसान नेता विशवदेव मुंडा का दुखद निधन पार्टी एवं किसान सभा के लिए अपूरणीय क्षति हुई। झारखंड में जब 32 वर्षों से पंचायत चुनाव नहीं हुआ कामरेड राजेन्द्र सिंह मुंडा हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट 10 वर्षों तक संघर्ष कर पंचायत चुनाव का दरवाजा खोलने में एतिहासिक भूमिका निभाए ।

मुख्यमंत्री झारखंड का झंडा बुलंद कर रहे और बीजेपी को मिर्ची लग रही: आलोक कुमार दूबे

संवाददाता

,8,बॉटम

रांची: प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विदेश यात्रा पर सवाल उठाकर भाजपा ने एक बार फिर अपनी आदिवासी विरोधी सोच, विकास के प्रति उपेक्षा और राजनीतिक अवसरवादिता का चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है।

भाजपा की टिप्पणी पर तीखा पलटवार करते हुए आलोक कुमार दूबे ने कहा है कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब एक आदिवासी मुख्यमंत्री अपने राज्य के भविष्य के लिए, बेहतर निवेश अवसरों की तलाश में, तकनीकी और वैश्विक साझेदारी के उद्देश्य से विदेश जाता है, तो भाजपा उसे 'पर्यटन' कहने लगती है। दुबे ने दो टूक शब्दों में कहा कि भाजपा के नेताओं को शायद आदिवासी नेतृत्व की ताकत, उसके विजन और झारखंड की तरक्की से डर लगता है, इसलिए वे हर सकारात्मक पहल को नकारात्मक रंग देने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह वही पार्टी है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर विदेशी यात्रा को 'रणनीतिक' और 'ऐतिहासिक' बताकर उसकी तारीफों के पुल बांधती है, लेकिन जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वैश्विक मंचों पर झारखंड की पहचान बनाने निकलते हैं तो वही भाजपा दोहरे मापदंड अपनाते हुए उसकी आलोचना करती है।

हेमंत सोरेन का विदेश दौरा सिर्फ सैर सपाटे के लिए है: प्रतुल शाहदेव

रांची: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विदेश दौरे पर निशाना साधा है। शाहदेव ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह सिर्फ कैमरा एक्सपोजर और सैर सपाटे की दृष्टि से किया जा रहा है। ये पूरा दौरा करदाताओं के पैसे का अनावश्यक निवेश है। वे वास्तविकता में पर्यटन के उद्देश्य से स्पेन और स्वीडन का दौरा कर रहे हैं। स्वीडन और स्पेन में वर्ष 2024 में 13 करोड़ पर्यटक घूमने आए थे। मुख्यमंत्री जी अपने दल के साथ इस संख्या में इस वर्ष इजाफा करने जा रहे हैं।

शाहदेव ने कहा कि झारखंड एक खनन और कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। भारत के जीडीपी का लगभग 15त्न हिस्सा कृषि से आता है। देश के साथ झारखंड की बड़ी आबादी रोजगार के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर आश्रित है। प्रतुल ने कहा कि जबकि स्पेन के जीडीपी का मात्र 2.5 प्रतिशत हिस्सा कृषि से आता है और स्वीडन का तो सिर्फ 1.7 प्रतिशत जीडीपी का हिस्सा कृषि पर आधारित है। कृषि क्षेत्र में तो झारखंड और भारत इन देशों से कहीं आगे हैं। शाहदेव ने कहा कि झारखंड में कोयला खदानें, लौह अयस्क खदानें, बॉक्साइट खदानें बड़ी संख्या में है। खनन और कृषि क्षेत्र में निवेश प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारत की खनन टेक्नोलॉजी स्पेन और स्वीडन की तुलना में कहीं ज्यादा उन्नत है। इन दोनों देशों में खनन का कोई बहुत बड़ा इतिहास भी नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में इन देशों से कोई बड़े निवेश या टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की अपेक्षा नहीं की जा सकती है। शाहदेव ने कहा स्पेन और स्वीडन अमेरिका के द्वारा 20त्न टैरिफ लगाए जाने के बाद आने वाले गंभीर मंदी की समस्या से निकलने पर फोकस कर रहे हैं। स्पेन की इकोनॉमी का मुख्य आधार टूरिज्म और सर्विस सेक्टर है। जब तक झारखंड का विधि व्यवस्था नहीं सुधरेगा तब तक पर्यटकों की संख्या में वृद्धि नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री को पहले अपने राज्य के विधि -व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए था।

एयर शो में दिखा सेना का शौर्य

रांची के आसमान पर विमानों ने बनाया तिरंगा

वायुसेना के हैरतअंगेज करतब से रोमांचित हुए लोग

विनय मिश्रा

रांची: भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक्स टीम ने आज रांची के नामकुम स्थित आर्मी ग्राउंड में एयर शो किया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की मौजूदगी में वायुसेना के जांबाज पायलटों ने अपने हैरतअंगेज करतबों से सबका दिल जीत लिया।

आकाश में हैरतअंगेज करतब देख उपस्थित लोग दांतों तले अंगुली दबाने को विवश हो गये। आकाश में हवाई करतब देख लोगों की सांसें थम सी गई । आकाश पर इस चमत्कार को देखने के लिए उमड़ी भीड़ के मुंह से बरबस यही शब्द निकल पड़े। हमसे बढ़कर कौन, हमने हमेशा रचा है इतिहास ।

करीब एक घंटे के इस एयर शो में जब उन्होंने धरती के बेहद करीब आकर करतब दिखाने शुरू किए तो आर्मी ग्राउंड में एयर शो देखने पहुंचे हजारों लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाने शुरू कर दिए।

भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम के पायलटों ने लड़ाकू विमानों को आसमान में एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ाकर कलाबाजियां कीं और कभी आसमान में तिरंगा फैलाया तो कभी दिल की आकृति बनाई। दो दिवसीय एयर शो का आज पहला दिन था।

कल यानी रविवार को भी आर्मी ग्राउंड में एयर शो किया जाएगा। भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम ने थाईलैंड में एयर शो करने के बाद रांची में एयर शो किया है। सूर्य किरण टीम अब तक देश-विदेश में करीब 700 एयर शो कर चुकी है।

भारतीय वायुसेना की एरोबेटिक डिस्प्ले टीम का नाम सूर्य किरण है। यह भारतीय वायुसेना की 52वीं स्क्वाड्रन का हिस्सा है। इसकी स्थापना भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1996 में की थी। सूर्य किरण का उद्देश्य वायुसेना के हवाई कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन करना है।

अपने शुरूआती दिनों में इस टीम के पास एचएएल-एचजेटी-16 किरण टङ-2 ट्रेनर विमान था। बाद में सूर्य किरण टीम में बीएई हॉक एमके132 विमान को शामिल किया गया।

एयर शो के दौरान जब पायलट ने विमान के कॉकपिट से शो देखने आए रांची के लोगों को संबोधित किया तो उत्साह चरम पर पहुंच गया। राजधानी के लोग हर तरफ से वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाकर अपने जांबाज पायलटों का हौसला बढ़ाते नजर आए।

एयर शो के बाद मीडिया से बात करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने आज के एयर शो के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज एयर चीफ मार्शल बिरसा मुंडा की धरती पर आए हैं। उन्हें झारखंडी जोहार है।

उन्होंने कहा कि कल हुई बारिश के कारण सूर्य किरण टीम के तीन विमानों को कुछ नुकसान पहुंचा है। आज की तेज हवा के बावजूद यह अद्भुत नजारा भारतीय वायुसेना के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित करता है। एयर शो का प्रदर्शन कल रविवार को भी किया जाएगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक्स टीम 23 अप्रैल को बिहार की राजधानी पटना में भी एयर शो करेगी।

वहीं राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी रांची में हुए एयर शो को अद्भुत बताया। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए एयर शो की सराहना की और इसके लिए सभी आयोजकों के साथ रांची सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और इंडियन एयर फोर्स को बधाई दी।

राज्य में लगातार 4 दिन तक बारिश की संभावना

बारिश के साथ गिरेंगे ओले वज्रपात का अलर्ट जारी

संवाददाता

रांची: बीते शुक्रवार को कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। साथ ही ओलावृष्टि भी हुई जिससे राज्यवासियों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं, राज्य में 22 अप्रैल तक बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग के मुताबिक 22 अप्रैल तक राज्य में बारिश होगी। इस दौरान वज्रपात और तेज हवा चलने की संभावना है। 3 व 24 अप्रैल को मौसम के साफ होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आज यानी शनिवार को पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ शेष सभी हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है। वहीं, कल यानी रविवार को हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, धनबाद, बोकारो, चतरा, रामगढ़, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़, देवघर, जामताड़ा और गोड्डा में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चल सकती है। साथ ही वज्रपात की भी संभावना है। 21 अप्रैल तक राज्य में गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि दक्षिण पंजाब व आसपास के क्षेत्रों से झारखंड को क्रॉस करते हुए हरियाणा तक टर्फ लाइन बना हुआ है। इसके अलावा दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भाग में समुद्र तल से ऊपर 1.5 किलोमीटर क्षेत्र में साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर है। इसके अलावा झारखंड से पूर्वी असम तक बना टर्फ लाइन (पूर्व-पश्चिम) अब झारखंड से असम के मध्य भाग होते हुए गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक स्थित है। साथ ही उत्तरी बांग्लादेश में समुद्रतल से 0.9 किलोमीटर ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर है।

रात में पार्टी में गये युवक का शव सुबह खेत में मिला

संवाददाता

जमशेदपुर: शहर के उलीडीहा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। सुबह युवक का शव खेत से बरामद हुआ है। इस मामले मे उलीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार रात युवक घर से किसी पार्टी में जाने की बात कहकर निकला था। उसके साथियों से पूछताछ की जा रही है।

जमशेदपुर के उलीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खड़िया बस्ती में रहने वाले 27 वर्षीय युवक ननकू लाल को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। शनिवार सुबह ननकू का शव खून से लथपथ अवस्था में बस्ती के एक खेत से बरामद हुआ। सुबह स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक के परिजन को जब इस खबर का पता चला तो वे घटनास्थल पहुंचे और शव की पहचान की।

इसकी सूचना मिलते ही उलीडीह थाना प्रभारी घटनास्थल पहुंचे और मृतक के परिवार वालों से पूछताछ की है। पूछताछ के दौरान मृतक के भाई राकेश ने पुलिस को बताया कि ननकू शुक्रवार 18 अप्रैल की शाम छह बजे घर से निकला था और देर रात तक वो घर नहीं लौटा लेकिन सुबह उसकी हत्या की खबर मिली। उसने पुलिस को बताया कि मोहल्ले के तीन युवकों से उसके भाई का विवाद हुआ था और मारपीट भी हुई थी और तीनों युवकों ने घर पर पत्थरबाजी भी की थी। इस मामले में थाना में शिकायत भी की गई थी लेकिन फिर समझौता भी हो गया था। मृतक के भाई ने तीनों युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है।

इस मामले मे उलीडीह थाना प्रभारी कुमार अभिषेक ने बताया कि युवक के शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस अन्य सभी पहलुओं पर भी जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में चिकित्सा पदाधिकारियों को दिये गये कई निर्देश

लोहरदगा: उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में आज जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), प्रथम तिमाही में प्रसव पूर्व जांच,संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, टीबी रोग, कुष्ठ रोग, मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर समेत अन्य कार्यों की समीक्षा की गई और विभिन्न निर्देश चिकित्सा पदाधिकारियों को दिये गये। आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा रहे लाभार्थियों के दस्तावेजों की जांच, अबुआ स्वास्थ्य योजना में उपलब्धि व कार्ड निर्माण, पोषण माह अंतर्गत कुपोषित बच्चों व अतिगंभीर कुपोषित बच्चों की देखभाल, प्रखंडवार बीमारियों का प्रोफाइल बिंदुओं पर चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। संस्थागत प्रसव के पश्चात बच्चों की नियमित मॉनिटरिंग व उनका पूर्ण टीकाकरण का निर्देश दिया गया। बैठक में वित्तीय प्रगति संबंधी रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। आज की बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ शंभूनाथ चौधरी व जिला स्वास्थ्य समिति की टीम उपस्थित थी।

रंगदारी नहीं देने पर व्यवसायी को मारी गोली

सरायकेला : सरायकेला खरसावां में बेखौफ अपराधियों ने व्यवसायी संजय बर्मन को गोली मार दी। इस दुस्साहसिक वारदात को दिन दहाड़े कांड्रा थाना क्षेत्र में अंजाम दिया गया। फायरिंग के बाद इलाके में तहलका मच गया। खून से लथपथ व्यवसायी संजय बर्मन को टीएमएच में भर्ती कराया गया है। मामले को लेकर संजय के भतीजे का कहना है कि अपराधियों ने कारोबारी से दस लाख रुपये की रंगदारी की डिमांड की थी। रकम नहीं देने पर उन्हें गोली मार दी गयी है। इधर, वारदात की फैली खबर के बाद पुलिस स्पॉट पर पहुंची और तफ्तीश में जुट गयी।

श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा व श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम की तैयारी पूरी

19 से 25 अप्रैल 2025 तक होगा कार्यक्रम का आयोजन

मेट्रो रेज

रांची: श्री यज्ञा बाबा आश्रम दुर्गा मंदिर मोराबादी प्रांगन में 19 अप्रैल (कल) से शुरू होने वाले भव्य श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ की तैयारियों पूरी कर ली गई है। 19 से 25 अप्रैल तक होने वाले महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा की सफलता को लेकर सभी श्रद्धालु पूरी तत्परता से प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। पूरा आयोजन यज्ञाचार्य पंडित श्याम सुन्दर शर्मा भारद्वाज एंव गया पीठाधीश्वर स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज के सानिध्य मे संपन्न होगा। वहीं यजमान राकेश शर्मा,प्रिया शर्मा, अमित विक्रम एंव निधि शर्मा है।मंदिर के मुख्य महंत भरत दास महाराज ने आज आमंत्रण यात्रा निकालकर लोगों को इस आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जिसमें सैकड़ों पुरुष,महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। सात दिवसीय महायज्ञ प्रतिदिन आठ बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा और भागवत कथा शाम पांच बजे से नौ बजे तक चलेगा।समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा एवं ऋषिकेश लाल ने सभी रांची वासियों को इस कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आग्रह किया।इस महोत्सव का शुभारंभ 19 अप्रैल को सुबह 07 बजे कलश यात्रा के साथ होगी।

सात दिवसीय कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने एवं सफल बनाने में मुख्यरूप से मुख्य पुजारी विकास पांडेय,आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,ऋषिकेश लाल,अजीत कुमार,सिंधु बाला,रूपम झा,संगीता उपाध्याय,स्मिता शुक्ला,आरती झा,प्रज्ञा सिंह,रीना सिंह,किरण सिंह, रंजिता कुमारी,रानी सिंह,बबली गुप्ता,हेमलता मिश्रा,पूनम कुमारी,गीतांजलि , शुभांगी,सुनीता देवी,अनीता सिंह नमिता सिंह,संगीता उपाध्याय, ऋषिका कुमारी,श्यामा सिंह, सिद्धि देवी,सुषमा सिंह, प्रतिभा सिंह,अन्नू देवी,स्वाति मुंजाल, सुमिता देवी, शिव प्रिया सिंह, रीना अग्रवाल व अन्य शामिल है।

एचएम पब्लिक में आनन्द कुमार को दी गयी श्रद्धांजलि

रांची: कुछ लोग पृथ्वी में आते हैं नेक काम करने के लिए, और आ के कब चले जाते हैं किन्ही को पता नहीं चलता , जब जरूरत होती है तब याद आती है कि उनका जाना मतलब उनकी जगह को कोई इतनी जल्दी नहीं भर सकता। ये विचार एचएम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अरविंद कुमार ने स्कूल के संस्थापक आनन्द कुमार की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर कहा। आनंद कुमार कोरोना काल के दरम्यान आये वीभत्स आपदा में 18 अप्रैल 2021 को गुजर गए थे। विदित हो कि वे एक अच्छे समाजसेवी, रक्तदाता, प्रथम कोरोना के समय घुम घुम कर राशन बाँटना, गरीबों के बीच राशन, कपड़ा, शिक्षण सामग्री बांटने वाले व्यक्ति थे।

आज विद्यालय में एक शोक सभा सह पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें अनामिका सिंह, रणजीत कुमार, सुजाता देवी, अंजली पालित ने उनके जीवन काल से सम्बन्धित अनुभव सुनाते हुए श्रद्धांजलि दिए।

सर्वप्रथम आनन्द कुमार की पत्नी संयुक्ता देवी, दीदी विनीता सिन्हा, भाभी पुनम देवी सहित उनके बच्चे अश्विन आनंद, अनिष्का आनन्द , कुमार कमलेश, अपूर्व शशांक, अरविंद कुमार, विश्व सागर, विश्व भारती सहित परिवार के लोग उनके छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किये , तत्पश्चात विद्यालय के शिक्षक गैर शैक्षणिक कर्मचारी सभी उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किए।

सहायक अभियंता उमेश्वर राम ने सोनुवा गुदरी पथ का निर्माण करा कर उत्कृष्ट मिसाल कायम की

चक्रधरपुर: पथ निर्माण विभाग चक्रधरपुर अवर प्रमंडल के सहायक अभियंता उमेश्वर राम ने कनीय अभियंता रहते सोनुवा गुदरी पथ का निर्माण करा कर एक उत्कृष्ट मिसाल कायम की थी। चक्रधरपुर पथ निर्माण विभाग मनोहरपुर प्रमंडल अधीन चक्रधरपुर अवर प्रमंडल अधिनसोनुवा से गुदड़ी तक पथ निर्माण विभाग अधीन इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण करा कर उन्होंने एक उपलब्धि भरा काम किया। जिसके फल स्वरुप वर्तमान समय में यह मार्ग विभाग के लिए उपलब्धि और गौरव तो है ही साथ ही साथ इस सड़क के निर्माण से एक और जहां लोगों को आवागमन की सुविधा सुलभ तरीके से उपलब्ध हो गई है वहीं विभाग ने इस निर्माण कार्य को पूर्ण कर इतिहास भी रचा । इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण हेतु तत्कालीन कनीय अभियंता के रूप में पदस्थापित वर्तमान समय में सहायक अभियंता चक्रधरपुर अवर प्रमंडल उमेश्वर राम ने निरंतर उक्त सड़क निर्माण कार्य के लिए हमेशा गंभीर रहें और स्वयं इस मार्ग के निर्माण हेतु प्रयास भी किया । इसी का यह सार्थक परिणाम है कि यह सड़क निर्माण कार्य अब पूर्ण हो चला है और इसका श्रेय निश्चित तौर पर तत्कालीन कनीय अभियंता उमेश्वर राम को जाता है। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार भी इस अति आवश्यक महत्वपूर्ण सड़क के पूर्ण होने पर कनीय अभियंता के प्रयास की सराहना की और कहा कि यह बहुप्रतिक्षित सड़क निर्माण सोनुवा से गुदड़ी तक विभाग के लिए उपलब्धि है। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि चक्रधरपुर अवर प्रमंडल के वर्तमान सहायक अभियंता उमेश्वर राम ने कनीय अभियंता के रूप में इस सड़क निर्माण कराकर विभाग के लिए उपलब्धि और गौरव भी हासिल की।

सुविचार

मेहनत अगर आदत बन जाए, तो सफलता ही तकदीर बन जाती है।

जंजाल की जेलें

दरअसल, जेल बनाने का मूल मकसद देशकाल, परिस्थिति, भावनात्मक उद्वेग या आपराधिक मनोवृत्ति से अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले लोगों में सुधार लाना ही रहा है। जिससे भटके हुए लोग समाज की मुख्यधारा से अलग रहकर आत्ममंथन कर सकें। सजा का मकसद दंड के बजाय सुधार रहा है। लेकिन भारतीय जेलें जिस हाल में हैं, उससे यह मकसद पूरा होता नजर नहीं आता। निस्संदेह, देश में जेलें संकटग्रस्त हैं। ये सभ्य नागरिकों की राह से भटके लोगों को भेड़-बकरियों की तरह भरने वाले स्थानों जैसी हैं। इस बाबत इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 कमोबेश इन्हीं स्थितियों का खुलासा करती है। वर्ष 2022 तक 4.36 लाख कैदियों के रहने हेतु बनायी गई जेलों में 5.73 लाख कैदी बंद थे। जो निर्धारित से 131 फीसदी अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक जेलों में कैदियों की संख्या 6.6 लाख तक पहुंच सकती है। जो निर्धारित 5.15 लाख की अनुमानित क्षमता से कहीं अधिक होगी। निस्संदेह, यह संकट अनुमान से कहीं अधिक गहरा है। निश्चित रूप से इसे कैदियों के मानवाधिकार का आपातकाल कहा जा सकता है। लेकिन संकट सिर्फ भीड़भाड़ का ही नहीं है। विडंबना देखिए कि पूरी जेल आबादी के लिये सिर्फ 25 मनोचिकित्सक ही हैं। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 के बाद कैदियों में मानसिक रोग दुगने आंके गए हैं। इनमें ज्यादातर वे कैदी हैं जो विचाराधीन हैं। जिनका अपराध तय नहीं हो पाया है। न्यायिक प्रक्रिया में विलंब की कीमत उन्हें चुकानी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर जेलों में चिकित्सा व्यवस्था का संकट भी उतना ही गहरा है। जेलों में चिकित्सा अधिकारियों के 43 फीसदी पद रिक्त पड़े हैं। यह व्यवस्थागत खामियों की ही तसवीर है कि देश की राजधानी में 206 कैदियों पर एक चिकित्सक नियुक्त है। यही वजह है कि उचित देखभाल के अभाव में जेलों में तमाम कैदी मानसिक व शारीरिक कष्ट झेल रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद इस गंभीर समस्या के समाधान के लिये गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। निश्चित रूप से कैदियों के हितों की अनदेखी कोई नई बात नहीं है। देश की शीर्ष अदालत अकसर दीर्घकालीन जेल नियोजन की आवश्यकता पर बल देती रही है। लेकिन शासन-प्रशासन की कार्यवाही या तो धीमी है या फिर इन समस्याओं के प्रति उदासीन रवैया दशार्या जाता है। जबकि कैदियों के मानवाधिकारों के मद्देनजर इस मामले में संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए। इस समस्या का सबसे बड़ा संकट कर्मचारियों की भारी कमी भी है। विडंबना यह है कि कुछ क्षेत्रों में तो सुधारात्मक कार्यों के लिये स्वीकृत पदों पर रिक्तियां साठ फीसदी तक पहुंच गई हैं। उदाहरण के लिये दिल्ली की जेलें 250 फीसदी से अधिक क्षमता के साथ संचालित की जा रही हैं। एक विसंगति यह भी है कि इन जेलों में वंचित समाज और हाशिये पर गए वर्गों के लोगों की संख्या अधिक है। जो न्याय प्रणाली में गहराई तक जड़ जमा चुकी असमानता को ही दशार्ती है। वहीं दूसरी ओर इस संकट से निबटने के लिये जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नजर आती है। जैसा कि शीर्ष अदालत बार-बार विचाराधीन कैदियों के मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने के निर्देश देती है, उस पर गंभीरता से अमल करने की जरूरत है। यदि फास्ट-ट्रैक कोर्ट और वैकल्पिक विवाद समाधान से विचाराधीन कैदियों की संख्या को कम कर दिया जाए, तो जेल व्यवस्था में बड़ा सुधार लाया जा सकता है। देश की जेलों में कैदियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे में तत्काल निवेश करने की जरूरत है। समाज के वंचित वर्गों के लिये सहज कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाने की आवश्यकता है। जेलों को लंबे समय तक सजा देने की जगह नहीं बनाया जाना चाहिए। जेल को सुधार का केंद्र बना रहना देना चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वहां कैदियों के साथ कितना सम्मानजनक व्यवहार किया जाता है। उनकी देखभाल के प्रति कितना संवेदनशील रवैया अपनाया जाता है। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम उन पर कोई उपकार नहीं कर रहे होते हैं, बल्कि यह उनका संवैधानिक अधिकार है।

परदेस से मोहभंग

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे। दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं। आखिर क्यों हम भारतीय मेधाओं को देश में ऐसा वातावरण नहीं दे पा रहे हैं, कि वे नई खोजों व अनुसंधान से देश को लाभान्वित कर सकें। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। यदि हम उनकी क्षमता,योग्यता और प्रतिभा का बेहतर उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, तो यह हमारी बड़ी नाकामी है। देश के सत्ताधीशों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि क्यों छात्रों में विदेश जाने की होड़ लगी रहती थी। छात्रों को अनुकूल वातावरण देकर ही विकसित भारत के संकल्प पूरे हो सकते हैं।

प्राइवेट स्कूल का शिक्षक और उसकी गूंगी पीड़ा

प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियाँ भी शर्मा जाएं। अपॉइंटमेंट लेटर पर 25,000 रुपये लिखा होता है, लेकिन बैंक में महज 8,000 रुपये ही ट्रांसफर होते हैं। बाकी कैश में मिलते हैं या कभी नहीं मिलते। मजे की बात देखिए कि टीचर जब सैलरी का हिसाब माँगता है तो जवाब होता है, नौकरी चाहिए या नहीं। यदि शिक्षक महिला है तो फिर दिक्कतों की भरमार है

प्रियंका सौरभ

जब भी परीक्षाओं के रिजल्ट आते हैं तो अमूमन सरकारी स्कूलों के मुकाबले प्राइवेट स्कूलों के परिणाम बेहतर होते हैं इसके पीछे इन स्कूलों के शिक्षकों की कड़ी मेहनत होती है। प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों से उम्मीदें तो आसमान छूती हैं, लेकिन उन्हें न तो उचित वेतन मिलता है, न सम्मान, न छुट्टी और न ही सुरक्षा। महिला शिक्षक दोहरी ज़िम्मेदारियाँ उठाती हैं, वहीं शिक्षक दिवस के दिन सिर्फ प्रतीकात्मक सम्मान मिलता है, जबकि सालभर उनका कथित तौर पर शोषण जारी रहता है। अभिभावक, स्कूल प्रबंधन और सरकार तीनों ही इस शोषण को नजरअंदाज करते हैं। शिक्षक के अधिकारों की कोई बात नहीं करता, न ही कोई नियामक संस्था है जो उनके हितों की रक्षा करे। शिक्षकों को कानूनी संरक्षण, संगठित मंच और सामाजिक सम्मान मिलना चाहिए ताकि शिक्षा प्रणाली सच में समावेशी और न्यायपूर्ण बन सके। यदि राष्ट्र को शिक्षित और सशक्त बनाना है तो सबसे पहले शिक्षक को शोषण से मुक्त करना होगा, क्योंकि चॉक से लिखा हर अक्षर, देश का भविष्य गढ़ता है।

एक समय था जब 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय' जैसे दोहे बच्चों की जुबान पर होते थे। आज हाल ये है कि अगर मास्टर मोबाइल पकड़ लें तो कहा जाता है कि इतनी फुर्सत है तो बच्चों को क्यों नहीं संभालते। जमाना बदल गया है, अब 'शिक्षक' शब्द पवित्रता नहीं, सहनशीलता का प्रतीक बन गया है। इस सहनशीलता का सबसे क्रूर रूप दिखता है प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों की दुनिया में। बाहर से देखिए तो प्राइवेट स्कूल किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं लगते। एसी क्लासरूम, हाईटेक बोर्ड, इंग्लिश बोलते बच्चे और व्हाइट-ग्लव्स पहने बस अटेंडेंट्स। लेकिन अंदर झाँकिए, वहाँ एक मास्टर साहब बैठे हैं, जो न वक्त पर चाय पी सकते हैं, न लंच कर सकते हैं। जो बच्चा होमवर्क न करे, उसकी शिकायत आए तो मास्टर की क्लास लगती है। जो बच्चा एग्जाम में फेल हो जाए तो मैनेजमेंट पूछता है 'क्यों पढ़ाया नहीं ढंग से'।

प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियाँ भी शर्मा जाएं। अपॉइंटमेंट लेटर पर 25,000 रुपये लिखा होता है, लेकिन बैंक में महज 8,000 रुपये ही ट्रांसफर होते हैं। बाकी कैश में मिलते हैं या कभी नहीं मिलते। मजे की बात देखिए कि टीचर जब सैलरी का हिसाब माँगता है तो जवाब होता है, नौकरी चाहिए या नहीं। यदि शिक्षक महिला है तो फिर दिक्कतों की भरमार है। घर में बहू, माँ और पत्नी। स्कूल में मैडम, टीचर और दीदी। महिला शिक्षकों को दोहरी ज़िम्मेदारी के साथ जीना पड़ता है। सुबह पांच बजे से घर संभालो, फिर स्कूल जाओ और वहाँ 40 बच्चों की जिम्मेदारी उठाओ। ऊपर से अगर पति भी प्राइवेट सेक्टर में हो तो महीने की सैलरी से पहले ही घर का बजट गिरवी रख देना पड़ता है।

प्राइवेट शिक्षक की दुश्वारियां यहीं खत्म नहीं होतीं। सरकारी कैलेंडर कहता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी की छुट्टी हैं, लेकिन प्राइवेट स्कूल कहता है कि आओ, झंडा फहराओ, भाषण दो, फिर हाजिरी लगाओ और जाओ। छुट्टी के दिन भी हाज़िरी की मजबूरी। अगर बीमार पड़ गए तो प्रबंधन कहेगा कि छुट्टी नहीं है, डिडक्शन लगेगा। शिक्षक का गला बैठ जाए, तब भी कहा जाता है कि क्लास तो लेनी ही होगी और कोई नहीं है। आज शिक्षक सिर्फ पढ़ाता ही नहीं है, बल्कि वह क्लास टीचर है, परीक्षा नियंत्रक है, अभिभावक संवाद अधिकारी है, व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन है, स्पोर्ट्स डे का आयोजक है और हर हफ्ते सेल्फी वाले वीडियो का संपादक भी। लेकिन जब सैलरी की बात आए तो कहा जाता है कि आप तो सिर्फ दो पीरियड पढ़ाते हैं। बच्चा अगर टॉप करे तो प्रिंसिपल प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है कि हमारे स्कूल का वातावरण ही ऐसा है। यदि बच्चा फेल हो जाए तो मास्टर की जवाबदेही तय होती है। कहा जाता है कि आपने ठीक से पढ़ाया नहीं। जीत स्कूल की, हार शिक्षक की। फोटो बैनर पर प्रिंसिपल की, मेहनत मास्टर की।

आजकल अभिभावक चाहते हैं कि शिक्षक तीन महीने में उनके बच्चे को आईएएस बना दे। अगर ऐसा न हो पाए तो कहते है कि हम तो सरकारी स्कूल में डाल देते तो भी क्या फर्क पड़ता। बच्चे की गलती भी अब मास्टर की जिम्मेदारी है। पैरेंट्स मीटिंग में सबसे ज्यादा डांट शिक्षक ही खाता है। पांच सितंबर को बच्चों से 'हैप्पी टीचर्स डे' के फूल मिलते हैं। बच्चे गाना गाते हैं 'सर आप महान हैं' और अगले ही दिन वही बच्चा होमवर्क न करने पर कहता है कि टीचर का क्या है, कुछ भी बोल देते हैं। साल भर की जिल्लत को एक दिन की इज्जत से ढकना, अब आदत बन गई है। नई शिक्षा नीति- 2020 कहती है कि शिक्षक की स्थिति मजबूत होनी चाहिए। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि न कोई रेगुलेशन है, न कोई निगरानी। जिला शिक्षा अधिकारी सिर्फ सरकारी स्कूलों की जांच करते हैं, प्राइवेट स्कूलों को छूट मिली हुई है कि वह अपना नियम खुद बनाएं, खुद चलाएं।

आज छात्र अधिकारों की बात करता है, जैसे मार नहीं खाना, होमवर्क कम मिलना, रिजल्ट अच्छा आना। लेकिन शिक्षक के अधिकारों की बात कौन करे? क्या कोई आटीआई लगा सकता है कि मास्टर को उचित सैलरी मिल रही है या नहीं। क्योंकि शिक्षक अधिकारों की बात करना आज भी असहनीय माना जाता है। अब वक़्त आ गया है कि शिक्षक चुप्पी तोड़े। सरकार को चाहिए कि एक रेगुलेटरी बॉडी बनाए जो प्राइवेट स्कूलों की सैलरी, काम के घंटे, छुट्टियाँ और काम का बोझ तय करे। हर जिले में निजी शिक्षकों की यूनियन बने जो एक स्वर में बोले। अभिभावकों को भी समझना होगा कि शिक्षक सिर्फ एक वेतनभोगी कर्मचारी नहीं, बल्कि उनके बच्चे के भविष्य का निमार्ता है। देश को अगर आगे बढ़ना चाहते हो तो सबसे पहले उस हाथ को संभालना होगा जो ब्लैकबोर्ड पर चॉक से भविष्य रचता है। उस आवाज को सुनना होगा जो हर दिन 'गुड मॉर्निंग' कहकर बच्चे को दिन की शुरूआत सिखाता है। शिक्षक की मुस्कान में देश की मुस्कान छिपी है, लेकिन उस मुस्कान के पीछे कितना दर्द है, ये जानने वाला कोई नहीं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

सोशल मीडिया इंसाफ का नहीं, रिश्तों की मौत का है नया मंच

आजकल रिश्तों में सहनशीलता नहीं, स्क्रिप्टिंग आई है। जैसे ही किसी झगड़े या मनमुटाव की चिंगारी उठती है, लोग अपने कैमरे चालू कर लेते हैं और लाइव आकर खुद को पीड़ित घोषित कर देते हैं। आवाज में कंपकंपी, आंखों में आंसू और शब्दों में दर्द, सब कुछ इतना 'रियल' होता है कि देखने वाला पल भर में 'इमोशनल इन्वेस्ट' कर बैठता है।

डॉ सत्यवान सौरभ

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव निजी जिंदगी में दखल के साथ ही अब रिश्तों के खात्मे की भी वजह बनता जा रहा है। आजकल लोग निजी झगड़ों और रिश्तों की परेशानियों को सोशल मीडिया पर लाइव आकर सार्वजनिक करने लगे हैं, जहां आधी-अधूरी सच्चाई दिखाकर सहानुभूति बटोरी जाती है। 'सुट्टा आली' और 'मुक्का वाली' जैसे मामलों में देखा गया कि जब दूसरा पक्ष सामने आया तो पहले समर्थन करने वाले लोग उलझन में पड़ गए। सोशल मीडिया अब इंसाफ का मंच नहीं, तमाशा बनता जा रहा है, जहां रिश्ते कंटेंट बनकर बर्बाद हो रहे हैं। इस डिजिटल दिखावे से बाहर निकलने का रास्ता संवाद, संयम और सच्चाई पर आधारित समझदारी है। रिश्तों को बचाने के लिए पहले उन्हें सार्वजनिक न करें, बल्कि निजी स्तर पर सुलझाने की कोशिश करें। आधी सच्चाई दिखाकर न्याय मांगना रिश्तों की मौत का कारण बन सकता है। घर के अंदर की बातें अब घर की नहीं रहीं। एक वक़्त था, जब दीवारों के भीतर जो होता था, वही दीवारों में दफन होता था। पर अब दीवारें भी वाई-फाई से जुड़ चुकी हैं और रिश्ते डेटा पैक पर टिके हैं। बात-बात पर फेसबुक लाइव, इंस्टा स्टोरी और यूट्यूब व्लॉग। यही अब नए जमाने का रिश्ता-निपटान मंच बन गए हैं। कोई थोड़ा-बहुत झगड़ा हुआ नहीं कि लोग कैमरा ऑन करके 'ऑडियंस' के सामने आंसू बहाने लगते हैं। उस रोते चेहरे के पीछे कितनी सच्चाई है, इसका किसी को अंदाजा नहीं होता, क्योंकि कहानी का दूसरा पहलू अक्सर बेमौसम आता है या कभी आता ही नहीं।

आजकल रिश्तों में सहनशीलता नहीं, स्क्रिप्टिंग आई है। जैसे ही किसी झगड़े या मनमुटाव की चिंगारी उठती है, लोग अपने कैमरे चालू कर लेते हैं और लाइव आकर खुद को पीड़ित घोषित कर देते हैं। आवाज में कंपकंपी, आंखों में आंसू और शब्दों में दर्द, सब कुछ इतना 'रियल' होता है कि देखने वाला पल भर में 'इमोशनल इन्वेस्ट' कर बैठता है। अब सवाल उठता है कि क्या सोशल मीडिया कोई अदालत है, जहां एकतरफा सबूत पेश करके दूसरे पक्ष को बिना सुने सजा सुनाई जा सकती है। क्या हम सब यूजर्स अब जज बन चुके हैं और अगर हां तो हमारी अदालत में अपील की व्यवस्था कहां है। दिक्कत ये है कि आजकल लोग जज नहीं, जजमेंटल बन चुके हैं। किसी भी मुद्दे को बिना सोचे, बिना समझे, बिना जांचे, बस वायरल होने की स्पीड से नापते हैं। 'कौन सही है' से ज्यादा अहम हो गया है 'कौन पहले लाइव आया'। दरअसल जब एक रिश्ते की दरार को सार्वजनिक किया जाता है तो उसका असर केवल उस रिश्ते पर नहीं, समाज पर भी पड़ता है। यह एक विकृति बनती जा रही है, जहां निजी दर्द सार्वजनिक मनोरंजन बन रहा है। इसे प्रोत्साहन मिलता है व्यूज, लाइक्स और फॉलोवर्स की भूख से। एक जमाना था जब लोग अपने रिश्तों को बचाने के लिए कुछ भी कर जाते थे। जबकि आज लोग लाइक और शेयर के लिए अपने रिश्ते खुद बर्बाद कर देते हैं। मीडिया से ज्यादा, मिडियाई मानसिकता दोषी है। यह केवल 'मीडिया ट्रायल' का मुद्दा नहीं है। असली समस्या उस मानसिकता की है जो कैमरा ऑन होते ही खुद को पीड़ित घोषित कर देती है और दर्शकों को जूरी बना देती है। यह 'हाफ ट्रुथ पॉलिटिक्स' अब राजनीति तक सीमित नहीं रही । यह अब हमारे घरों में घुस चुकी है। लोग अपने गुस्से और दुख को शब्दों में नहीं, स्क्रिप्टेड कंटेंट में ढाल रहे हैं। दर्शक भी, असल में मदद करने के बजाय तमाशबीन बने रहते हैं, स्क्रीन के उस पार तालियाँ बजाते हुए।इस डिजिटल युग में रिश्ते अब संवाद से नहीं, कंटेंट से चलने लगे हैं। पार्टनर से बात करने की जगह, लोग सोशल मीडिया पर 'इन्डायरेक्ट' पोस्ट करते हैं। लड़ाई होती है तो स्टोरी लगती है 'सब कुछ सहने की भी एक हद होती है'। फिर लाइक, कमेंट और शेयर की बाढ़ आती है, जो उस रिश्ते के फटे कपड़े में और कील ठोक देती है।

आज जब हर व्यक्ति अपने हाथ में मीडिया लेकर घूम रहा है, तब सबसे बड़ा ज़िम्मेदार भी वही है। कैमरा ऑन करना आसान है, पर सच्चाई को ईमानदारी से दिखाना मुश्किल। रिश्ते भरोसे से बनते हैं और भरोसे की बुनियाद संवाद से मजबूत होती है, तमाशे से नहीं। हर बार लाइव आकर रोना-धोना करने से सहानुभूति तो मिल सकती है, लेकिन रिश्ते नहीं बचते। जब दूसरा पक्ष सामने आता है तो फिर न सिर्फ.रिश्ता, बल्कि भरोसा भी मरता है, उस इंसान का भी और उस समाज का भी, जो बस 'लाइव' देखकर न्याय करने को तैयार बैठा था।

संवाद हर समस्या का है समाधान

सवाल है कि क्या कोई रास्ता है इस 'डिजिटल ड्रामा' से बाहर निकलने का। बिलकुल है। इसलिए अगली बार जब कोई रोता हुआ वीडियो सामने आए तो जरा रुकिए। सवाल पूछिए, दोनों पक्षों को सुनिए। क्योंकि असल इंसाफ वही है जो तटस्थ हो और इंसाफ के बिना कोई भी तमाशा बस एक और रिश्ते की मौत होती है। उधर उन लोगों को भी सोशल मीडिया के बजाय झगड़े के समाधान के दूसरे रास्ते तलाशने होंगे। जरूरी है कि किसी भी झगड़े या विवाद को सार्वजनिक करने से पहले, अपने सबसे करीबी से निजी तौर पर बात करें। संवाद हर समस्या का पहला समाधान है। अगर मामला गंभीर है, तो परिवार, मित्र या थैरेपिस्ट की मदद लें। जब समस्या होती है तो समाधान भी साथ ही होता है। हर कहानी के दो पहलू होते हैं और कभी-कभी सच्चाई दोनों के बीच कहीं होती है। हर रिश्ता अपने आप में एक दुनिया होता है। उसे सार्वजनिक चौराहे पर न उधेड़ें। एक दिन वही दुनिया आपके खिलाफ खड़ी हो सकती है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

भगवान शंकर जैसी बारात कभी किसी की नहीं निकली

भगवान शंकर का श्रृंगार हो रहा हो, और उस पर हम यह कह दें, कि ह्यबस अब श्रृंगार पूर्ण हुआ!ह्ल तो निश्चित ही, ऐसा कहकर, हम प्रभु के दिव्य स्वरुप के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं। कारण कि सृष्टि का कण-कण इस इच्छा से सरोबार है, कि हमें जब प्रभु ने इतने प्यार से निर्मित किया है, हमारा गहन प्रीति से श्रृंगार किया है, तो ऐसा कैसे हो सकता है, कि प्रभु के श्रृंगार में सबका योगदान हो रहा हो, और हमें यह शुभअवसर प्राप्त ही न हो। संपूर्ण सृष्टि के समग्र प्रयास होने के बाद भी, क्या यह वास्तव में संभव है, कि प्रभु का श्रृंगार पूर्ण हो सकता है? नहीं! कदापि नहीं। किंतु प्रभु ऐसे निरमल व प्रेम के धनी हैं, कि वे सभी पर अपना प्रेम लुटाते हैं।

खैर! अब श्रृंगार रस लीला से आगे बारात को लेकर चलना था। सभी देवता दानव अपने अपने वाहनों पर सवार होकर तैयार हो खड़े हुए। आज तक के इतिहास में ऐसी बारात कभी किसी की नहीं निकली थी, जो आज भोलेबाबा की निकलने लगी थी। तीनों त्रिदेव एक ही वैवाहिक समारोह में एकत्र हों, ऐसा संयोग दुर्लभ था। भोलेबाबा बैल पर सवार हो चुके थे। भगवान विष्णु ने ठिठोली करते हुए भगवान शंकर को इंगित करते हुए कहा-

हँसी करैहहु पर पुर जाई।।
बिष्नु बचन सुनि सुर मुसुकाने।
निज निज सहित बिलगाने।।

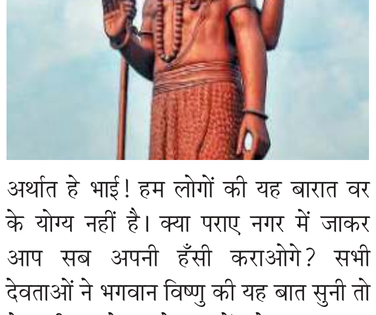

अर्थात हे भाई! हम लोगों की यह बारात वर के योग्य नहीं है। क्या पराए नगर में जाकर आप सब अपनी हँसी कराओगे? सभी देवताओं ने भगवान विष्णु की यह बात सुनी तो वे सभी अपने-अपने वाहनों को अलग कर, अलग दल बना कर खड़े हो गए। महादेव जी यह देखकर मन ही मन मुस्कराते हैं, कि विष्णु भगवान के व्यंग्य वचन नहीं छूटते हैं। अपने प्यारे विष्णु भगवान के इन अति प्रिय वचनों को सुनकर शिवजी ने भी भृंगी को भेजकर अपने सब गणों को बुलवा लिया। भगवान शंकर की आज्ञा सुनते ही सब चले आए, और उन्होंने स्वामी की चरण कमलों में सिर नवाया। तरह-तरह की सवारियों और तरह-तरह के वेष वाले अपने समाज को देखकर शिवजी हँसे। कारण कि उनके दल में जितने भी बाराती थे, वे कोई बाराती प्रतीत न होकर, निरे भूत पिशाच ही थे-

कोउ मुख हीन बिपुल मुख काहू।
बिनु पद कर कोउ बहु पद बाहू।।
बिपुल नयन कोउ नयन बिहीना।
रिष्टपुष्ट कोउ अति तनखीना।।

कोउ बिना मुख का है, तो किसी के बहुत से मुख हैं। किसी की दशा तो ऐसी है, कि उसके हाथ पैर ही नहीं थे, तो किसी के अनेकों हाथ पैर थे। बात जब नेत्रें की आई, तो किसी के मुख पर बहुत से नेत्र हैं, और कोई एक भी नेत्र को तरस गया था। कोई शिव बाराती बहुत मोटा ताजा है, तो कोई इतना पतला है, कि कहा न जाये।

तन की न कोउ अति पीन पावन कोउ अपावन गति धरें।
भूषन कराल कपाल कर सब सद्य सोनित तन भरें।।
खर स्वान सुअर सृकाल मुख गन बेष अगनित को गनै।
बहु जिनस प्रेत पिसाच जोगि जमात बरनत नहिं बनै।।

अर्थात कोई बहुत दुबला, तो कोई भयंकर मोटा था। कोई पवित्र और कोई अपवित्र वेष धारण किए हुए है। भयंकर गहने पहने हाथ में कपाल लिए हैं, और सब के सब शरीर में ताजा खून लपेटे हुए हैं। गधे, कुत्ते, सुअर और सियार के से उनके मुख हैं। गणों के अनगिनत वेषों को कौन गिने? बहुत प्रकार के प्रेत, पिशाच आरे योगिनियों की जमातें हैं। यह मानों कि उनका वर्णन करते नहीं बनता।

भगवान शंकर की ऐसी अनोखी बारात क्यों है? इसके पीछे अनेकों सामाजिक, आध्यात्मिक व दैवीय कारण हैं। क्या थे वे कारण, जानेंगे अगले अंक में।

सेहत

थायराइड फिजिकल ही नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ पर डाल सकता है बुरा असर

अनहेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल की वजह से कई बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में हार्मोन्स इंबैलेंस होने लगता है। जिसकी वजह से लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याएं जैसे– डायबिटीज, पीसीओडी और पीसीओएस आदि बढ़ने लगता है। इन्हीं में से एक थायराइड की समस्या है। थायराइड शरीर में थाइरॉक्सिन हार्मोन इंबैलेंस होने की वजह से होती है। इसकी वजह से शरीर में कई बदलाव आने लगते हैं। बता दें कि यह वजन में बदलाव होने, थकावट, सुस्ती और डाइजेशन खराब होने जैसी समस्याओं की वजह बन सकता है। हालांकि कई लोगों का मानना होता है कि थायराइड की वजह से हार्मोन हेल्थ पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि थायराइड के कारण हार्मोन हेल्थ पर कैसा असर पड़ सकता है।

मेंटल हेल्थ पर असर : हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक थायराइड की वजह से मरीज की मेंटल हेल्थ पर सीधा पड़ सकता है। इससे आपके मूड पर भी असर पड़ सकता है। थायराइड ग्लैंड के ओवरएक्टिव होने से हाइपरथायरायडिज्म हो सकता है, जिसका मेंटल हेल्थ पर असर हो सकता है। इसकी वजह से मरीज को नर्वसनेस, इर्रिटेशन, एंग्जायटी और स्ट्रेस आदि हो सकता है। वहीं थायराइड प्रोडक्शन की कम होने की वजह से हाइपोथायरायडिज्म हो सकता है। ऐसे में थकावट और डिप्रेशन जैसी समस्या हो सकती हैं। बता दें कि थायराइड का मेंटल हेल्थ से सीधा कनेक्शन होता है। ऐसे में थायराइड से जुड़ी समस्याएं जितना ज्यादा होंगी, मूड स्विंग्स भी उतने ज्यादा हो सकते हैं। शरीर में थायराइड हार्मोन इंबैलेंस होने से कोर्टिसोल और हैप्पी हार्मोन्स भी प्रभावित हो सकते हैं। जितनी ज्यादा थायराइड से जुड़ी मुश्किलें बढ़ेंगी उतनी ही मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं होंगी। थायराइड इंबैलेंस होने पर फिजिकल हेल्थ भी कई बदलाव आ सकते हैं। वजन बढ़ने या फिर घटने जैसी समस्या हो सकती हैं। गर्म या ठंडे टेंपरेचर की वजह से सेंसिटिविटी और बॉवेल मूवमेंट में बदलाव आ सकता है। तो वहीं कुछ महिलाओं को पीरियड्स से जुड़ी समस्या हो सकती है। अगर इस तरह की समस्या लगातार बढ़ती हैं, तो आपको फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। अगर लाइफस्टाइल और डाइट को हेल्दी रखा जाए, तो थाइराइड हार्मोन को कंट्रोल करना आसान होगा। हालांकि इसको कंट्रोल करने के लिए दवा लेना जरूरी है। इससे आपकी मेंटल हेल्थ को भी फायदा होगा। हालांकि स्ट्रेस मैनेजमेंट टेक्निक्स अपनाने और रेगुलर एक्सरसाइज करने से थायराइड को कंट्रोल किया जा सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

सिविल एसडीओ के आदेश को धता बताने में लगे हैं भू माफिया

रैयती भूमि को पोखर की भूमि बताकर मकान बनाने का कर रहे विरोध

- स्थानीय लोगों द्वारा भूमि पर पोखर होने की शिकायत की गई है, जांच होगी: अनुमंडल अधिकारी

मेट्रो रेज

चतरा : शहर में भू माफिया के आतंक से आम लोग त्रस्त हैं। किसी भी भूमि को माफिया विवादित बना दे रहे हैं। आश्चर्य जनक तथ्य यह भी है कि इस प्रकार के प्रकरण में राजनीतिक दलों के बड़े लोगों का भी संरक्षण प्राप्त है। भूमि विवाद को लेकर शहर में रोज ब रोज नई घटना घट रही है। ताजा मामला छठ तालाब स्थित थाना न 175 खाता संख्या 21 व प्लाट न 1707 में आया है। इस भूमि पर अनुमंडल अधिकारी जहूर आलम के आदेश के बाद जब भूमि खरीदारों ने मकान बनाने का काम शुरू किया तो तथाकथित लोगों द्वारा भूमि को छठ तालाब का पोखर (जलाशय) बताकर विरोध शुरू कर दिया। भू मालिक पुष्पा कुमारी और खुशबू कुमारी ने बताया कि उक्त भूमि रैयत हकीम नूर मोहम्मद के वंशजों से 25 लोगों ने ली थी। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूर्व वार्ड न 06 के वार्ड कमिश्नर मनोज प्रधान द्वारा भूमि पर पोखर होने की शिकायत की गई थी। अनुमंडल अधिकारी के पत्रांक 994 दिनांक 13/07/23 के आलोक में अंचल अधिकारी चतरा द्वारा जांच करवाई गई थी। बताया कि अंचल अधिकारी के पत्रांक 476 दिनांक 19/07/2024 के माध्यम से उक्त भूमि की जांच की गई। जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि उक्त भूमि रैयत हकीम नूर मोहम्मद के वंशजों द्वारा 25 लोगों को निबंधित केवाला की गई और सभी ने दाखिल खारिज करवा लिया है। जांच प्रतिवेदन में यह भी उल्लेखित है कि प्रश्नगत भूमि पर पोखर(जलाशय) नहीं है। इस पूरे प्रकरण पर अनुमंडल अधिकारी ने पत्र में स्पष्ट उल्लेखित किया है कि प्रश्नगत भूमि पर भू मालिको की जमाबंदी जायज है और गलत मंशा से मकान बनाने का विरोध किया जा रहा है। अनुमंडल अधिकारी ने अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा है कि प्रश्नगत भूमि का सीमांकन करवाते हुए भूमि पर व्यवधान उत्पन्न करने वाले लोगों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की सु संगत धाराओं के साथ कार्रवाई करें। भू मालिकों का आरोप है कि जो लोग आज विरोध का स्वर मुखर कर रहे हैं,वे एक विशेष राजनीतिक दल से जुड़े हैं। ऐसे तथाकथित लोग ही भूमि पर कब्जा दिलाने के नाम पर भूमि मालिकों से अवैध रूप से राशी की मांग कर रहे थे। जब उन्हें राशी नहीं दी गई तो नए सिरे से विवाद को जन्म दे रहे हैं और कार्य को बाधित कर रहे हैं। इस संबंध में मेट्रो रेज संवाददाता ने अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम से बात की तो उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की जानकारी हुई है। छठ तालाब के स्थानीय निवासी भोला वर्मा और राजन वर्मा की ओर से आवेदन दी गई है। आवेदन में भूमि पर पोखर(जलाशय) होने की शिकायत की गई है। इस संबंध में खतियान की कॉपी भी उपलब्ध करवाई गई है। बताया कि पूर्व में वार्ड न 06 के वार्ड पार्षद मनोज कुमार प्रधान द्वारा भी शिकायत की गई थी। जिसकी जांच कार्रवाई की जा चुकी थी। जांच में विवादित भूमि पर पोखर नहीं पाया गया था। चूंकि पुनः आवेदन प्राप्त है तो नए सिरे से इस भूमि की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

आनंद मंगल सामाजिक संस्था ने सौ बेटियों को दिया पाठ्य सामग्री

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : क्लब में आनंद मंगल सामाजिक संस्था की ओर से शुक्रवार को सौ बेटियों को पाठ्य सामग्री दी गयी। साथ ही स्कूल बैग, यूनिफार्म भी दिया गया। मौके पर बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग बेटियों को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। संस्था की फाउंडर मेंबर संगीता अग्रवाल ने संस्था के क्रिया कलापों पर प्रकाश डाला। पाठ्य सामग्री वितरण में सहयोग के लिए संस्था ने केयरिंग इंडिया, एकल महिला समिति, राउंड टेबल, पवित्रम मातृ शक्ति व अन्य समिति का आभार जताया। मौके पर अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मारवाड़ी महिला समिति की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष निर्मला तुलस्यान, मीना डोकानिया, संगीता अग्रवाल, मीनू, रेखा रुंगटा, रश्मि, रंजना, संगीता, पायल, नीतू, ऋद्धि, सरोज, सपना, रेवा, अल्का, उमा, सुनीता, किरण, सीमा, सरिता, रेखा, पिंकी, दीप्ति, श्वेता, संतोष, बरखा, संगीता, पूनम, सुनीता, कीर्ति, डोली, कुमुद, माधवी, अर्चना, आशा, कविता, शीतल, अंजू, प्रीती, विजेता, प्रतिमा, निधि व ज्योति का सक्रिय योगदान रहा।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित बाइक युवक की मौत

लातेहार : सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर में चतरा-बालूमाथ मुख्य पथ पर बारियातू थाना क्षेत्र के नचना ग्राम के समीप हुई। जहां मौके पर ही युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान बालूभाग, बारियातू के कुसुम टोला निवासी सकेंद्र भुईयां (28) पिता जुगु भुईयां के रूप मे की गयी है। जानकारी के अनुसार वह अपने किसी? रिश्तेदार के घर बारियातू गया था। वहां से लौटने के क्रम में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकरायी। इससे घटना स?थल पर ही उसकी मौत हो गयी। स?थानीय लोगों ने इसकी सूचना बारियातू थाना को दी। थाना पुलिस पहुंच का शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों को पुलिस के द्वारा सूचना दे दी गयी है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में सत्र 2025- 26 के लिए हाउस कैप्टन का गठन

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच: डीएवी पब्लिक स्कूल डोमचांच में सत्र 2025- 26 के लिए हाउस कैप्टन का गठन विद्यालय में अध्ययनरत छात्र - छात्राओं के मतदान द्वारा किया गया। जिसमे रेड,ब्लू,येलो एंव ग्रीनहाउस के प्रतिभागियों ने अपना नामांकन करवाया। रेड हाउस से दिव्यानंद, रिषिका कुमारी, सुधीर कुमार, राजवीर कुमार, सन्नी कुमार कुमकुम कुमारी, नंदनी कुमारी और शेखर कुमार ब्लू हाउस से तोहिद नाजिर, क्षितिज कुमार, रंजन कुमार, प्रिंस कुमार,सत्यम कुमार, चंदन कुमार, सचिन कुमार, एंजल परि, रुपा कुमारी येलो हाउस से ऋषि कुमार, रौशन कुमार, रागिनी कुमारी, अभिनंदन कुमार, तोहिद अकतर, अंकिता कुमारी, मानसी जबकी ग्रीन हाउस से आयुष कुमार, राजेश कुमार, रिंकु, रौशन कुमार, विकास देव, संदीप कुमार, आयुष कुमार ने अपना नामांकन करवाया साथ ही सभी प्रतिभागियों ने अपने पक्ष में मतदान करने के लिए छात्र-छात्राओं से अनुरोध भी किए। विद्यालय के निदेशक दिलीप यादव ने बताया कि इस तरह की गतिविधि करने से बच्चों में प्रतियोगिता की भावना जागृत होती है साथ ही लोकतंत्र के महत्व को समझते हैं। संचालन अकादमिक प्रभारी अंजनी कुमार ने बताया की इससे विद्यालय में अनुशासन और एक-दूसरे के प्रति संयम की भावना जागृत होती है। मतदान के परिणाम की घोषणा सोमवार को की जाएगी।

थाना रोड से मिर्जाचौक से स्टेशन जाने वाला पतला रास्ता किया गया बंद

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : मिर्जाचौक थाना रोड से मिर्जाचौक स्टेशन जाने वाला पतला रास्ता अब बंद हो रहा है। रेलवे अपना जमीन को लोहा का बैरिकेटिंग लगाकर घेर रहा है। रेलवे की भूमि को अतिक्रमणमुक्त कर रहा है। जिससे रेलवे ट्रैक सुरक्षित हो सकेगा और आने वाले समय में तीसरा ओर चौथा लाइन बिछाने के कार्य में तेजी आएगी हाइ स्पीड ट्रेन परिचालन आसानी से हो सकेगा। वही साहिबगंज में आने वाले दिनों में स्टेशन ट्रैक विस्तारीकरण ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी सहित अन्य कार्य होना है। जिससे पश्चिफ रेलवे फाटक पर लोड ज्यादा होगा। घंटों खुलने का इंतजार करना होगा। शायद रेलवे इस फाटक को बंद भी कर दे। इसलिए पश्चिम फाटक समीप जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था ओवरब्रिज बनाने की पहल होनी चाहिए।

बालू स्टॉक करने का ग्रामीणों ने किया विरोध

बेरमो : राज्य सरकार द्वारा बालू उठाव को लेकर पेटरवार प्रखंड के चांपी, खेतको व चलकरी घाट की नीलामी की गयी है। संवेदक जेएसएमडीसी द्वारा बालू उठाव को लेकर शिव मंदिर समीप दामोदर नदी के घाट पर स्टॉक करने का काम शुरू किया गया तो खेतको के ग्रामीणों का विरोध किया। ग्रामीणों ने कहा कि इस घाट में प्रत्येक दिन महिलाएं नहाने आती हैं। बेरमो एसडीओ और पेटरवार बीडीओ व सीओ से मांग है कि दूसरे स्थान पर बालू स्टॉक बनाया जाये। जेएसएमडीसी के प्रतिनिधियों ने कहा की जिस स्थान मे स्टॉक बनाया जा रहा है, वह सरकार द्वारा चिह्नित की गयी है। इसका सर्वे व निरीक्षण पेटरवार प्रखंड के कई अधिकारियों ने भी किया है।

कोयलांचल में मना गुड फ्राइडे, मसीही भाई बहनों ने की प्रार्थना

मेट्रो रेज

धनबाद : यीशु ने अपना खून बहा कर मुझे बचा लिया, जो क्रूस पर कुर्बान वह मेरा मसीहा है, गीतों के साथ शुक्रवार को कोयलांचल के चर्च में गुड फ्राई डे मनाया गया। हिल कॉलोनी स्थित संत अंथोनी चर्च व संत मेरी चर्च में क्रूस रास्ता का आयोजन किया गया। प्रभु यीशु के पकड़े जाने, क्रूस पर प्राण दंड दिये जाने व क्रूस पर भोगी गयी पीड़ा तथा मृत्यु के बाद कब्र में रखे जाने तक के दुख को क्रूस रास्ता स्मरण कराता है। क्रूस यात्रा में बड़ी संख्या में ईसाई धर्मावलंबी शामिल हुए। यात्रा के दौरान सभी की आंखें नम हो गयी। पूरी यात्रा के दौरान प्रभु यीशु तीन बार क्रूस लेकर गिर पड़े थे। इसे भावुक तरीके से क्रूस ढो रहे लोगों द्वारा प्रदर्शित किया गया। लगभग 1 घंटे की क्रूस यात्रा के बाद सभी लोग गिरजाघर के अंदर पहुंचे। यहां फिर एक बार क्रूस रास्ता अर्थात दुख भोग का पाठ पढ़ा गया। क्रुसवानी अर्थात क्रूस पर टांगे जाने के बाद प्रभु यीशु द्वारा कहे गये सात वचनों को दोहराया गया तथा उन पर मनन चिंतन किया गया। गुड फ्राइडे के अवसर पर प्रार्थना सभा हुई। सहायक फादर प्रदीप मरांडी ने कहा कि आज हम सभी ने उपवास व प्रार्थना में समय बिताया। देखा जाता है कि हम छोटी-छोटी बातों पर एक दूसरे के साथ उलझ पड़ते हैं। अपनी जगह बनाने के लिए दूसरों को उसकी जगह से हटा देते हैं। लेकिन प्रभु यीशु जिन्हें बचाने दुनिया में आये थे, उन्हीं में से एक ने उनको सैनिकों द्वारा पकड़वा दिया गया। फिर भी प्रभु यीशु ने कहा हे पिता इन्हें क्षमा कर, क्योंकि यह नहीं जानते कि यह क्या कर रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिशिर प्रभात तिर्की, एतवा टूटी, प्रवीण लोंमगा, जॉन कैम्प, अनुप दत्ता व अन्य की सराहनीय भूमिका रही।

आज भी होगी प्रार्थना सभा

ईस्टर को लेकर शनिवार की रात्रि में संत अंथोनी चर्च में प्रार्थना सभा की गयी। प्रार्थना सभा के पूर्व सभी ईसाई धर्मावलंबी हाथों में मोमबत्तियां जलाकर चर्च परिसर में रोशनी करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

बेगमगंज बड़तल्ली निवासी सीमा देवी साइबर ठगी का हुई शिकार

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर बेगमगंज बड़तल्ली निवासी सीमा देवी साइबर ठगी का शिकार हुई हैं। उनके बैंक ऑफ इंडिया के खाते से अज्ञात लोगों ने अवैध रूप से कुल 27 हजार 900 रुपये निकाल लिए हैं। सीमा देवी ने इस संबंध में राधानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि उनका बचत खाता राधानगर शाखा में है। 10 मार्च को उन्होंने फिनो आईडी से अपने खाते की जांच की थी। जिसमें 20 हजार 835 रुपये जमा थे। लेकिन 15 मार्च को उनके खाते से 9 हजार 900 रुपये 21 मार्च को 5 हजार रुपये और 1 अप्रैल को 13 हजार रुपये की अवैध निकासी हुई।सीमा देवी ने पुलिस से अज्ञात ठगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और अपनी धनराशि वापस दिलाने की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलवे ट्रैक से एक व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज/बरहरवा : कोटालपोखर थाना पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर बिंदुपाड़ा तिलडांगा रेलवे स्टेशन के बीच के पोल संख्या 261 के समीप रेलवे ट्रैक से 45 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद किया है।मृतक की पहचान साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना अंतर्गत मिजार्पुर पंचायत के साहिबडांगा निवासी शाहजहान के रूप में हुई है।पारिवारिक सूत्रों के अनुसार 5 बच्चों के पिता शाहजहान शेख के परिवार में तनाव चल रहा था। शुक्रवार की सुबह वह घर से निकला था और माना जा रहा है। कि उसने मालगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस द्वारा कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल राजमहल भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है। मौके पर रेलवे एएसआई संग्राम सिंह सोय के सहित पुलिस बल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

यौन उत्पीड़न के प्रयास का आरोप कार्रवाई की मांग

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला ने अपनी दो नाबालिग बेटियों के साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के प्रयास का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। महिला ने थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें गांव के ही लड़के पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार 17 अप्रैल को करीब 4 बजे अपराह्न महिला की 4 वर्षीय बेटी घर के पास खेल रही थी।तभी आरोपी ने उसका मुंह दबाकर और पैर बांधकर उसे गोद में उठा लिया और पास के आम बगान में ले जाकर उसकी पैंट खोलने की कोशिश की। बच्ची के रोने और चिल्लाने पर आरोपी ने कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से उसका गला दबाया। शोर सुनकर लोगों के आने के डर से वह बच्ची को छोड़कर भाग गया। पीड़िता की मां ने यह भी आरोप लगाया है कि इससे पहले 12 अप्रैल को भी उसी समय आरोपी ने उनकी 6 वर्षीय बड़ी बेटी के साथ भी इसी तरह की हरकत करने का प्रयास किया था। बच्ची का मुंह दबाकर उसे सुनसान जगह पर ले जाकर बलात्कार का असफल प्रयास किया गया। बच्ची के रोने-चिल्लाने पर उसकी गर्दन भी दबाई गई थी। जिससे उसके गले में दर्द और निशान पड़ गए थे। परिजनों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर जब आरोपी और उसके अभिभावकों को बुलाया गया, तो वे नहीं आए। पीड़िता की मां ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वही पुलिस ने मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

बिजली पोल से टकराया ट्रक, युवक की मौत

गढ़वा : सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान फैजान अंसारी के रूप में हुई है। वहीं दूसरा युवक जमजम अंसारी घायल हो गया। घटना बिशुनपुरा थाना क्षेत्र के पतिहारी गांव के पास हुई। जहां हाइवा ट्रक के बिजली पोल से टकराने से दो युवक इसकी चपेट में आ गए। इसमें वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल नगर ऊंटारी ले जाया गया। वहां एक युवक फैजान की मौत हो गई। वहीं जमजम को गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण बिशुनपुरा-नगर ऊंटारी सड़क पर पहुंचे। उन्होंने मुआवजा और कार्रवाई की मांग को लेकर रोड जाम कर दिया। डेढ़ लाख रुपये मुआवजा देने का आश्वासन के बाद जाम हटा लिया गया। घटना के संबंध के संबंध में बताया जाता है कि गांव के मुख्तार अंसारी अंसारी के यहां हाइवा बालू गिराने आया था। बालू गिराने के बाद हाइवा वहां से निकल रहा था। उसी दौरान हाइवा बिजली पोल से टकरा गया। उससे पोल टूटकर गिर गया। उसमें दोनों युवक टूटे पोल की चपेट में आ गए। इसमें एक युवक की मौत हो गई।

पंजी टू में छेड़छाड़ कर खानदानी जमीन का दूसरे के नाम खोला गया डिमांड

पलामू। मोटी कमाई के लिए अंचल कार्यालय की लॉगिन खोलकर फर्जी तरीके से पंजी-टू में छेड़छाड़ कर दूसरे के नाम पर डिमांड खोल दिया जा रहा है। मामले में जब कार्रवाई के लिए आग्रह किया जा रहा है तो प्रभावित पक्ष को मुख्यालय में डीसीएलआर कार्यालय जाकर निदान ढूंढने की सलाह दी जा रही है। ऐसे में प्रभावित पक्ष पिछले छह माह से परेशान है और अंचल कार्यालय का चक्कर काट रहा है। यह मामला जिले के तरहसी प्रखंड क्षेत्र के मंझौली टू पंचायत के मंझौली गांव से जुड़ा हुआ है। दरअसल इस गांव में 2005 तक सुरेंद्र नारायण और सत्येंद्र नारायण के नाम से प्लॉट 380 खाता नंबर एक में 22 एकड़ 62 डिसमिल जमीन की रसीद कट रही थी। कुछ दिन पहले इस खाता प्लॉट की जमीन का डिमांड असमीना बीवी के नाम से खोल दिया गया है। दो एकड़ को एक एकड़ कर दिया गया है, जबकि 25 डेसिमल को 20 डेसिमल कर-के रसीद काट दी गई है। इस पूरे मामले पर जब अंचलाधिकारी बागेश्वर राम से कार्रवाई का आग्रह किया गया तो उन्होंने पल्ला झाड़ने हुए कहा कि अब इस मामले में कार्रवाई डीसीएलआर कार्यालय से होगी। प्रभावित पक्ष अजीत सिंह और अमित कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि अंचल कार्यालय की लॉगिन से छेड़छाड़ करके उसकी खानदानी जमीन को कुछ दिन पूर्व असमीना बीवी के नाम से डिमांड खोल दिया गया है। जमीन का डिमांड जब पहले से उनके परिजन के नाम पर था तो असमीना बीबी के नाम पर कैसे हो गया? सारा खेल फर्जी तरीके से हुआ है। अंचल कार्यालय से तीन नोटिस मिलने के बाद भी असमीना बीवी अपना पक्ष रखने के लिए नहीं पहुंची है बावजूद अंचल अधिकारी इस मामले में कार्रवाई नहीं कर उन्हें सिर्फ कार्यालय का चक्कर लगवा रहे हैं। इधर, इस मामले में सीओ बालेश्वर राम ने कहा कि पहले से आवेदन आया हुआ है। सुनवाई हो रही है। अगली तिथि में इसका निदान कर दिया जाएगा। ऐसे में प्रभावित पक्ष डीसीएलआर के पास भी जा सकते हैं।

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म में पुलिस ऑफिसर बनेंगे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम जहां पहले भी अपनी फिल्मों में पुलिस ऑफिसर का रोल कर चुके हैं, वहीं रोहित शेट्टी भी अपनी कॉप यूनिवर्स वाली फिल्मों के लिए मशहूर हैं। अब जॉन और रोहित अब साथ आए हैं। रोहित की अगली फिल्म में जॉन अब्राहम पुलिस ऑफिसर का रोल करेंगे। जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है।

चार महीने चलेगी फिल्म की शूटिंग

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म का नाम 'एक्शनेर' बताया जा रहा है। इस फिल्म की शूटिंग लगभग चार महीने तक चलेगी। रोहित की फिल्म की शूटिंग मुंबई की 40 अलग-अलग लोकेशन पर होगी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित और जॉन अब्राहम फिल्म 'एक्शनेर' की शूटिंग 18 अप्रैल से शुरू करने वाले हैं।

क्या है फिल्म की कहानी

कुछ समय पहले जॉन अब्राहम ने पिंकविला से हुई बातचीत में बताया था कि वह रोहित शेट्टी की फिल्म कर रहे हैं और इसकी कहानी बहुत ही खास है। अब खबर है कि रोहित शेट्टी मुंबई पुलिस कमिशनर रहे राकेश मारिया की जिंदगी से इंस्पायर होकर ये फिल्म बना रहे हैं। 1993 में बॉम्बे ब्लास्ट की छानबीन करने से लेकर 26/11 के आतंकवादी हमलों का सामना करने तक की कहानी फिल्म में दिखाई जाएगी। जॉन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

जॉन की इस फिल्म में काम करने की ख्वाहिश

पिछले दिनों भी अपनी फिल्म 'डिप्लोमैट' का प्रमोशन करने के दौरान जॉन अब्राहम ने कहा था कि वह शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल चाहते हैं। इस प्रीक्वल में उनके किरदार जिम की कहानी को विस्तार से दिखाया जा सकता है। 'पठान' में जॉन ने विलेन का कैरेक्टर निभाया, जिसका नाम जिम था।

हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनीं प्रियंका

जैक एफ्रॉन के साथ आएंगी नजर

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का नाम एक और हॉलीवुड फिल्म से जुड़ गया है। वह निकोलस स्टोलर की आगामी कॉमेडी प्रोजेक्ट में 'बेवॉच' के को-स्टार जैक एफ्रॉन के साथ फिर से जुड़ रही हैं। आगामी फिल्म में माइकल पेना और विल फेरेल भी हैं। कॉमेडी कास्ट में शामिल हुईं प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिल्म में रेजिना हॉल, जिमी टैट्रो और बिली आइचनर भी हैं। निकोलस अपनी खुद की स्क्रिप्ट से फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ, वह अपनी हालिया फीचर फिल्म 'यू आर कॉर्डियली इनवाइटेड' में सहयोग करने वाले स्टूडियो के साथ फिर से जुड़ रहे हैं।

भूमिका के बारे में खुलासा नहीं

आगामी कॉमेडी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और माइकल की भूमिकाओं को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़े विवरण अभी भी गुप्त रखे गए हैं। वहीं, प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कास्टिंग अनाउंसमेंट की एक झलक शेयर करके इस प्रोजेक्ट में अपनी भागीदारी की पुष्टि भी की, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। प्रियंका निर्देशक एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में ओडिशा के कोरापुट में शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है। इस फिल्म में महेश बाबू भी हैं। राजामौली के पिता, लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने 'एसएसएमबी 29' की कहानी लिखी है और कहा जाता है कि यह इंडियाना जोन्स की तरह ही एक एक्शन-एडवेंचर है। इसके अलावा प्रियंका के पास इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' है। वह 'द ब्लफ' में में भी नजर आएंगी। वहीं, प्रियंका के पास वेब सीरीज 'सिटाडेल 2' भी है।

ट्रोलिंग पर बोले अर्जुन मैं एक आसान टारगेट हूं

अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड में हिट फिल्म इश्कजादेडेब्यू किया था, लेकिन उनकी बाद की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं अपने करियर के दौरान अर्जुन को सोशल मीडिया पर उनकी एक्टिंग और निजी जिंदगी दोनों के लिए काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है।

हाल ही में एक चैट में अर्जुन ने बताया कि वह ट्रोल्स से कैसे निपटते हैं, साथ ही उन्होंने बार-बार ट्रोल होने के कारणों पर भी बात की। अर्जुन ने कहा- मैं इस बारे में काफी सख्त हूं, क्योंकि मुझे एहसास हो गया है कि यह एक क्लिकबेट ऑप्शन है।

अगर आप उन सभी पेजों पर जाएं, जहां वे मेरे बारे में लिखते हैं या मुझे टैग करते हैं तो उन्हें बहुत अधिक ट्रैक्शन मिलता है दर्शकों को आकर्षित करने से उन्हें खुशी मिलती है, क्योंकि वे मेरे नाम का यूज करते हैं, इस हिसाब से मैं एक आसान टारगेट हूं। मैंने अतीत में चीजों को अपने तरीके से लिया है और वास्तव में पलटवार नहीं किया है, मैं आलोचना को अच्छी तरह से लेता हूं, इसलिए लोग इसका अनुचित लाभ उठाते हैं।

मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है

अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपने करियर को बात की। इस दौरान खेर ने बताया कि वह अपने काम पर फोकस करती हैं और रिजल्ट की फिक्र नहीं करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की गारंटी नहीं होती। यह पूछे जाने पर कि वह लगातार आगे बढ़ रही इंडस्ट्री में अपेक्षाओं के दबाव को कैसे मैनेज करती हैं, सैयामी ने बताया, दबाव कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होता, लेकिन जब आपका ध्यान रिजल्ट के बजाय काम पर होता है, तो सांस लेना आसान हो जाता है। मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है और प्रक्रिया को महत्व देना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया, मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो दूसरों को प्रभावित करती हैं। ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जो चुनौती देते हैं और मैं अपने काम से ही इस प्रेशर को मैनेज करती हूं। मैंने अभिनय की दुनिया में भी कदम इसी वजह से रखा था, क्योंकि मुझे यह पसंद है।

साल 2015 से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली एक्टर को फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा आश्चर्य किस बात से होता है? सैयामी ने कहा, इसकी अनिश्चितता। अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितता से हैरान हूं, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की कभी गारंटी नहीं होती। आप किसी चीज में अपना दिल, आत्मा, मेहनत सब कुछ लगा सकते हैं, फिर भी निश्चित नहीं है कि परिणाम क्या होगा। लेकिन यही चीज उसे जीवंत और मैजिकल बनाए रखती है। उन्हें यह भी आश्चर्य होता है कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी के रूप में कैसे देखा जाता है। सैयामी ने कहा, एक और बात जो मुझे वाकई हैरान करती है, वह यह कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी की तरह देखा जाता है। मेरे लिए, समय की पाबंदी ऐसी चीज नहीं है जिसकी सराहना की जानी चाहिए – यह सम्मान का एक बुनियादी संकेत है। अनुशासन को अक्सर कम आंका जाता है। सैयामी की हालिया रिलीज फिल्म 'जाट' है, जिसमें वह सनी देओल और रणदीप हुड्डा के साथ मुख्य भूमिका में हैं। 10 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। जाट में रेजिना कैसेंड्रा भी अहम किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने फिल्म में टच किया गाने पर डांस किया है। गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी जाट का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने मिलकर किया है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज हुई है।

फिल्मों में अभिनय के अलावा इन कामों के लिए मशहूर हैं तमन्ना, सरकारी अभियान का भी हैं हिस्सा

तमन्ना भाटिया की फिल्म ओडेला 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसी को लेकर तमन्ना भाटिया सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म तेलुगु भाषा में रिलीज होगी। तमन्ना भाटिया ने साउथ की फिल्मों में काम करने के अलावा कई हिंदी फिल्मों जैसे बबली बाउंसर, एंटरटेनमेंट, हिम्मतवाला और वेदा में काम किया है।

तमन्ना ने फिल्मों के अलावा कई टीवी सीरीज में भी काम किया है। इस खबर में हम जानेंगे कि तमन्ना भाटिया अभिनय के अलावा और क्या-क्या करती हैं?

कई कंपनियों की ब्रांड एंबेसडर हैं तमन्ना भाटिया

साउथ और बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री कई नेशनल और इंटरनेशनल प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर हैं। कई ब्रांड के लिए वह मॉडलिंग भी करती हैं। इससे उनकी अच्छी खासी कमाई होती है। वह कोल्ड ड्रिंक, साबुन, टीवी चैनल, ज्वैलरी और ब्यूटी प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर रह चुकी हैं।

सामाजिक कार्यों में हिस्सा

तमन्ना भाटिया सामाजिक कार्यों में भी हिस्सा लेती हैं। वह साल 2016 में भारत सरकार के अभियान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का हिस्सा बनीं। वह इस अभियान की ब्रांड एंबेसडर हैं। इस अभियान का हिस्सा बनने से पहले तमन्ना भाटिया ने सामाजिक कारणों से इसका समर्थन किया था। इस अभियान का मकसद लड़कियों के कल्याण, शिक्षा और सशक्तिकरण पर ध्यान देना है।

लेखिका भी हैं तमन्ना भाटिया कई प्रतिभाओं की धनी तमन्ना भाटिया किताब बैक टू द रूट्स की लेखिका हैं। यह किताब सेहत पर आधारित है। तमन्ना ने इस किताब को 31 अगस्त 2021 को लॉन्च किया था। यह किताब अमेजन पर ट्रेंडिंग में थी।

सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स तमन्ना भाटिया के फैंस साउथ के साथ-साथ उत्तर भारत में हैं। अगस्त 2024 में तमन्ना भाटिया के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बहुत ज्यादा फॉलोवर्स थे। वह सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली तेलुगु एक्ट्रेस बनीं।

आईपीएल 2025: मुश्किल पिच पर नेहाल वढेरा ने आसान किया लक्ष्य : हरप्रीत बरार

एजेंसी

बेंगलुरु : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में शुक्रवार को पंजाब किंग्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के चलते मुकाबला 14 ओवर का कर दिया गया था। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अपने गेंदबाजों के दम पर आरसीबी को 95/9 के स्कोर पर रोक दिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने किया कमाल

पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, जेवियर बार्टलेट को भी एक सफलता मिली। आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे।

नेहाल वढेरा की शानदार पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरूआत धीमी रही, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन (19 गेंद) की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 12.1 ओवर में 5 विकेट शेष रहते जीत दिला दी।

हरप्रीत बरार ने की वढेरा की तारीफ

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार ने कहा, ₹पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नेहाल वढेरा ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमारा काम आसान कर दिया। वो पिछले 2-3 साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। घरेलू टूर्नामेंट्स में भी उनका अच्छा रिकॉर्ड रहा है। आज जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, वो काबिले तारीफ है।

श्रेयश अय्यर बोले- चहल आईपीएल के बेस्ट गेंदबाज

वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए उन्हें 'आईपीएल का बेस्ट बॉलर' बताया।

अय्यर ने कहा, ₹मैच से पहले हम नहीं जानते थे कि पिच कैसा व्यवहार करेगी। लेकिन हमारे कोचों और गेंदबाजों ने हालात के मुताबिक खुद को ढाल लिया।

एफ 1: क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वस्टार्पेन

एजेंसी

जेद्दाह : फॉमूर्ला वन की दुनिया में मैक्स वस्टार्पेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने शुक्रवार को साफ किया कि वस्टार्पेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक

पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वस्टार्पेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इच्छुक हैं। हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, ह्लटीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर

इटली के अखबार 'गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट' ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वस्टार्पेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह – जेम्स वाउल्स

मर्सिडीज और वस्टार्पेन की संभावित डील को लेकर भी चचार्एं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, ह्लवस्टार्पेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

'क्राइसिस मीटिंग' की खबर भी अफवाह

रेड बुल टीम की बहरीन में हुई एक बैठक को 'क्राइसिस समिट' बताने की खबरों पर भी हॉर्नर ने सफाई दी। उन्होंने कहा, ह्लअगर आप अपनी इंजीनियरिंग टीम के साथ रेस की समीक्षा करते हैं, तो उसे संकट बैठक नहीं कहा जा सकता।

किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी सरकार : मुख्यमंत्री

–तेज बारिश के बावजूद सीएम योगी ने जारी रखा जनसेवा का अनुष्ठान–जनता दर्शन में 300 लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री ने, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

एजेंसी

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह तेज बारिश के बावजूद जनता दर्शन का सिलसिला जारी रखा। पहले लगा था कि शायद इतने प्रतिकूल मौसम में जनता दर्शन कार्यक्रम न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री योगी के जनसेवा का अनुष्ठान जारी रहा। उन्होंने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और इन समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर प्रवास पर होने के चलते शनिवार सुबह कई लोग जनता दर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। पर, तेज बारिश के कारण उन्हें यह आशंका थी कि शायद उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री ने प्रतिकूल मौसम को देखते हुए लोगों के बैठने की व्यवस्था महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कराई। इस दौरान उन्होंने 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण करना, उनकी सरकार की प्राथमिकता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों की इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने आत्मीयता से सभी लोगों को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

पुलिस और राजस्व के मामले शीघ्र करें निस्तारित

उन्होंने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में कार्रवाई करने में अनावश्यक विलंब न होने की हिदायत दी तो जमीन कब्जा करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दबंग और भू माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए। पुलिस से जुड़े कुछ मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करने और उसके बाद विधिक कार्यवाही में कोताही नहीं होनी चाहिए। घरेलू विवाद के मामले में उन्होंने परस्पर संवाद से समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

हर बार की भांति इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

समस्या निस्तारण कराओ, चाय भी पिलाओ

जनता दर्शन में समस्या लेकर आई आंशिक रूप से शारीरिक अक्षमता की शिकार कर महिला और उसके साथ बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इनकी समस्या का निस्तारण कराओ और इन्हें चाय भी पिलाओ। इस दौरान कुछ अन्य लोगों के साथ आए उनके बच्चों को मुख्यमंत्री योगी ने प्यार, दुलारकर आशीर्वाद दिया। उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

जेल में बंद कैदी की मौत,परिजनों ने जेल प्रशासन पर पिटाई कर हत्या करने का लगाया आरोप,हंगामा

एजेंसी

अररिया : अररिया मंडल कारा में बंद कैदी की मौत हो गई।सूचना पर शनिवार को परिजनों ने सदर अस्पताल में पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया। परिजनों ने जेल प्रशासन पर कैदी की पिटाई कर हत्या कर देने का आरोप लगाया है।परिजनों के हंगामे को देखते हुए सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई है।हंगामे की जानकारी मिलने के बाद सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह सहित नगर थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों से बात कर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए परिजनों को शांत कराया।मृतक कैदी शोहराब पलासी थाना क्षेत्र के बांसर गांव के रहने वाले थे।एक पुराने ठगी के मामले में 17 अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था।रात में उसे दो बजे सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया गया था।लेकिन रात में ही ऑन ड्यूटी चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुबह में जब रिश्तेदारों और परिजनों को मौत की जानकारी मिली तो सदर अस्पताल पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया और जेल प्रशासन पर निमार्तापूर्वक पिटाई कर हत्या कर देने का आरोप लगाया।मृतक के शरीर में कई जगह जख्म के निशान हैं।परिजनों का कहना है कि उनके मुख और कान से भी खून निकला हुआ है।परिजनों का आरोप है कि जेल में ही उनकी हत्या कर दी गई और मरा हुआ सदर अस्पताल लाया गया था।हालांकि जेल अधीक्षक ने टॉयलेट रुम में कैदी के फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की बात कही है। हंगामे की सूचना पर सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह नगर थाना पुलिस के साथ सदर अस्पताल पहुंचे और आक्रोशित परिजनों को शान्त कराया।उन्होंने परिजनों को मामले की जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। परिजन मो.शाहिद खान ने बताया कि शोहराब की गिरफ्तारी 17 अप्रैल को पलासी थाना पुलिस के द्वारा की गई थी।उनकी गिरफ्तारी ठगी के एक मामले में की गई थी,जबकि आरोप लगाने वाले को पैसे भी दे दिए गए।उन्होंने बताया कि सुबह में शोहराब के मौत की सूचना मिलने के बाद सदर अस्पताल पहुंचे तो पाया कि शोहराब के नाक और मुंह से खून निकला हुआ था और शरीर पर कई जगह जख्म के निशान थे।

इलाज में लापरवाही के आरोप को लेकर अस्पताल में चली गोलियां, चार गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बर्धमान ज़िले के दुगार्पुर में एक मल्टी-सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शुक्रवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मरीज के परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में गोलीबारी कर दी। घटना के बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना की शुरूआत 53 वर्षीय बसुदेव पाल के इलाज को लेकर हुई, जो अंगदपुर के रहने वाले हैं और गुरुवार को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें शीघ्र ही दुगार्पुर के शोभापुर इलाके में स्थित एक निजी मल्टी-सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बसुदेव की स्थिति चिंताजनक थी और बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने उन्हें किसी उच्च स्तरीय अस्पताल में स्थानांतरित करने की सलाह दी थी। मरीज के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने उनके साथ कोई संपर्क नहीं किया और न ही उन्हें मरीज से मिलने की अनुमति दी गई। इससे नाराज परिजनों ने शुक्रवार रात अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दुगार्पुर थाने की पुलिस को मौके पर भेजा गया। पुलिस के अनुसार, परिजनों ने जबरन अस्पताल में प्रवेश कर डॉक्टरों से मिलने की मांग की। इस पर सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोका, जिसके चलते कहासुनी और फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान मरीज के एक परिजन ने आग्नेयास्त्र निकालकर तीन राउंड फायरिंग कर दी।

छत्तीसगढ़ में गैर संचारी रोग के ईलाज में आभा आईडी है मददगार

इस डिजिटल तकनीक से इलाज की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ राज्य में अब गैर संचारी रोग (नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज- एनसीडी) जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज , कैंसर के स्क्रीनिंग , इलाज और मॉनिटिरिंग में डिजिटल तकनीक का उपयोग बड़े स्तर पर किया जा रहा है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत शुरू की गई आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) आईडी इस दिशा में गेमचेंजर साबित हो रही है। आभा आईडी के माध्यम से मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी से आसानी से साझा कर सकते हैं। इस आईडी की मदद से अस्पतालों, क्लीनिकों और लेबोटरी के बीच जानकारी साझा करना भी आसान हो गया है, जिससे इलाज की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। छत्तीसगढ़ में आभा आईडी को राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल से जोड़ा गया है। इससे मरीजों की स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस, इलाज और मॉनिटरिंग की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो गई है। एएनएम और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के लिए मोबाइल और टैबलेट आधारित ऐप्स तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वेब पोर्टल उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे काम करना आसान हो गया है। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने शनिवार को बताया कि आभा आईडी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे एनसीडी जैसी बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में मदद मिलेगी। दुर्ग जिले में इस पहल का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। जनवरी 2024 से फरवरी 2025 के बीच, 12,627 आभा आईडी को एनसीडी मरीजों के रिकॉर्ड से जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप, आभा से जुड़े मरीजों में फॉलोअप रेट 68 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि बिना आभा आईडी वाले मरीजों में यह केवल 37 प्रतिशत रहा। इसी तरह, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज नियंत्रण में भी आभा से जुड़े मरीजों में सुधार देखा गया। 49 प्रतिशत मरीज नियंत्रण में रहे, जबकि गैर-जुड़े मरीजों में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत रहा। डब्ल्यूएचओ की मदद से स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। राज्य सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम इस पूरी प्रक्रिया पर सतत निगरानी रख रही है। आभा आईडी को आधार की डेमोग्राफिक जानकारी से जोड़ने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डब्ल्यूएचओ ने हिंदी में प्रशिक्षण वीडियो भी बनाया है। छत्तीसगढ़ में यह डिजिटल पहल ना सिर्फ बीमारियों के रोकथाम में मददगार साबित हो रही है, बल्कि इससे स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है।

डंपर की टक्कर से बोलेरो सवार एक महिला की मौत, 14 घायल

एजेंसी

रायबरेली : मिल एरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात डंपर की टक्कर से बोलेरो सवार एक महिला की मौत हो गई। इस हादसे में पांच बच्चों सहित 14 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने राहत कार्य करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाते हुए कार्रवाई की। पुलिस उपाधीक्षक अमित सिंह ने बताया कि अमेठी जिले के जामो थाना के शिवपुर से एक बोलेरो में सवार कुछ लोग हरचंदपुर के डिडौली गांव शादी समारोह में शामिल होने आ रहे थे। जैसे ही बोलेरो मिल एरिया थाना क्षेत्र के मलिन का पुरवा के पास रात करीब 11 बजे पहुंची तभी सामने से आए डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना देख आसपास के लोग भागकर पहुंचे और सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीओ ने बताया कि पुलिस ने राहत कार्य करते हुए पत्थरकटा शिवपुर निवासी गौरव पुत्र पप्पू, शिवपुर निवासी अंशु (14) पुत्र विष्णु, अंकुर (12) पुत्र विष्णु, नायरा (5) पुत्री नरेश, कार्तिक (2) पुत्र नरेश, रुद्र (7) पुत्र नरेश, संगीता (40) पत्नी नरेश, श्रीराम, अरुण कुमार दुबे समेत 15 लोग घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल में डाक्टरों ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने सात घायलों की हालत नाजुक देख अन्य अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। पूछताछ में पता चला है कि गाड़ी अरुण कुमार दुबे चला रहे थे। वहीं मृतक महिला पहचान नहीं हो सकी है। सकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत हर खेल में आगे बढ़ता जा रहा है : रक्षामंत्री

एजेंसी

लखनऊ : लखनऊ में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सांसद खेल महाकुंभ का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को शुभारंभ किया। इसी के साथ ही 24 अप्रैल तक चलने वाले खेल महाकुंभ में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, बॉक्सिंग समेत आठ खेलों की प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। रक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए सूत्रवाक्य में कहा कि भारत के खिलाड़ियों ने खेल के क्षेत्र में भारत का नाम शिखर पर पहुंचाया है। हर खेल में भारत आगे बढ़ता जा रहा है। खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान कर रही हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधायक नीरज बोरा, विधायक योगेश शुक्ला, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित भाजपा के पदाधिकारी और खेल प्रेमी व सैकड़ों खिलाड़ी मौजूद रहे।

केशव प्रसाद मौर्य ने बाबा विश्वनाथ धाम में किया दर्शन

भाजपा वाराणसी महानगर अध्यक्ष के आवास पर पहुंचे, परिजनों व पार्टी के पुराने नेताओं से की मुलाकात

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अंतिम दिन शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और बाबा कालभैरव मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बाबा विशेश्वर के पावन ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर समस्त देश-प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि व शांति की कामना की।

उपमंख्यमंत्री ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा आज प्रातः ह्यआदि-अनादिह्न काशी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में देवाधिदेव महादेव, भगवान शिव के पावन ज्योतिर्लिंग का दर्शन, पूजन एवं जलाभिषेक करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। बाबा विश्वनाथ जी से समस्त देश एवं प्रदेशवासियों के कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। शनिवार को ही उपमुख्यमंत्री मौर्य ने भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि के आवास पर पहुंच कर उनके परिजनों और पार्टी के पुराने पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उनके साथ मौजूद रहे। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने बाबतपुर में एक भाजपा नेता के होटल का उद्घाटन किया। यहां उन्होंने मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित किया। इसके बाद सर्किट हाउस पहुंचकर उन्होंने पार्टी नेताओं से संवाद किया। पत्रकारों से भी बातचीत की। पत्रकारों से वार्ता के दौरान मौर्य अपने पुराने तेवर में नजर आए और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा अखिलेश यादव चौराहे पर लड़ने वाले दो लड़कों की तरह व्यवहार करते हैं। सार्वजनिक मंच से वह ऐसा व्यवहार करते हैं, जो उनको शोभा नहीं देता है। उन्हें सियासत विरासत में मिली है। उनको जो संस्कार मिला है, उसे सब देख रहे हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश 2027 में सत्ताधीश बनने का सपना देख रहे हैं, जो पूरा नहीं होगा। 2047 तक कुछ नहीं होना है। यह उनको भी पता है, इसीलिए बौखलाए रहते हैं। उपमुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव को पता ही नहीं रहता है कि वे पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के बेटे हैं, सांसद और अपने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। करणी सेना के बाद अब यादव सेना के गठन से जुड़े सवाल पर मौर्य ने कहा कि राणा सांगा के ऊपर सपा के सांसद ने सदन में जो बयान दिया था, वह गलत था। बयान वापस लेना चाहिए। करणी सेना या कोई सेना बनाकर कोई विवाद उत्पन्न करने की कोशिश करेगा तो कानून अपना काम करेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

मुठभेड़ में 20 हजार का इनामी आरोपित गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद : थाना टूण्डला पुलिस और एसओजी ने शुक्रवार की देर रात को 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से घायल इनामी आरोपित को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि थाना प्रभारी टूंडला अंजीश कुमार पुलिस टीम के साथ बीती देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे। इस बीच सूचना मिली कि थाना टूण्डला से चोरी के विभिन्न अभियोगों में वांछित सिन्टू उर्फ सिन्टौला किसी घटना की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने एसओजी टीम के साथ हिरन गांव पुल के मोड़ पर जरौली खुर्द की ओर जाने वाले रास्ते पर चेकिंग शुरू की। इस बीच मोटरसाइकिल सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस टीम की घेराबंदी देख संदिग्ध ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जबावी कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल हालत में पकड़ा गया आरोपित वांछित सिन्टू उर्फ सिन्टौला निवासी पचवान कालोनी थाना नारखी, हाल पता ठार पूठा थाना रामगढ़ है। उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस 315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर एवं चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। एएसपी ने बताया कि घायल अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित है। वह थाना टूण्डला, थाना नारखी, थाना उत्तर और मथुरा जिले में विभिन्न अभियोगों में पिछले एक वर्ष से वांछित चल रहा है। इसके खिलाफ फिरोजाबाद एवं मथुरा के विभिन्न थानों में चोरी, लूट से सम्बन्धित लगभग छह अभियोग पंजीकृत हैं।

सिग्नल वायर चोरी होने से मध्य रेलवे की कसारा से कल्याण तक सेवा बाधित

मुंबई : मध्य रेलवे की सेवा सिग्नल वायर चोरी हो जाने से कल्याण से कसारा तक बाधित हो गई हैं। हालांकि रेलवे की मरम्मत टीम मौके पर पहुंचकर सिग्नल वायर दुरुस्त करने का काम कर रही है, लेकिन कसारा स्टेशन से कल्याण स्टेशनों के बीच स्टेशनों पर यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मध्य रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार बीती रात मध्य रेलवे के टिटवाला और खडवली स्टेशनों के बीच के सिग्नल वायर चोरी हो गए। इससे कसारा और कल्याण के बीच रेलवे सिग्नल बंद हो गया। इससे आज तड़के से ही रेलवे सेवा बाधित हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही मध्य रेलवे की मरम्मत टीम को तत्काल मौके पर भेज दिया गया है और सिग्नल वायर बदलने का काम जारी है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि बहुत जल्द काम पूरा कर लिया जाएगा और उसके बाद रेलवे सेवा पूर्ववत हो जाएगी। साथ ही रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से रेलवे को सहयोग करने की अपील की है।

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की मौत

सोनभद्र : चोपन थाना क्षेत्र में शुक्रवार की आधी रात को चार पहिया वाहन की चपेट में आने से मोटर साइकिल सवार तीन लोगों की मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि बेलक्ष निवासी लक्ष्मण गौड़ (20), छोटू गौड़ उर्फ अर्जुन (15) और चंद्रशेखर गौड़ (16) तीनों युवक मोटरसाइकिल से बारात में शामिल होने के लिए वाराणसी शक्तिनगर मार्ग से कोटा गये थे। नायरा पेट्रोल पंप पटवध के पास चार पहिया वाहन ने मोटर साइकिल में टक्कर मार दिया। हादसे में तीनों घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टर से सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

बलरामपुर : पिकअप वाहन पलटने से एक की मौत, आधा दर्जन लोग घायल, चालक फरार

बलरामपुर : शुक्रवार देर रात बारात के लिए जा रहे पिकअप वाहन पलटने से करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए है। हादसे में एक की मौत भी हुई है। जबकि दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जिन्हें अंबिकापुर रेफर किया गया है। मौके वारदात से पिकअप वाहन छोड़ चालक फरार हो गया है। रामानुजगंज पुलिस शव को कब्जे लेकर शनिवार को रामानुजगंज सीएचसी में पीएम करवा कर जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत शिवपुर से बारात के लिए पिकअप वाहन मितगई के लिए निकली। पिकअप वाहन में 11 बच्चे सवार थे। मितग?ई से पहले पलटनिया मोड़ में पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए है। घटना के बाद वाहन छोड़ चालक फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस सभी को रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई। जहां करमदयाल (11 वर्ष) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुरेश सिंह (10 वर्ष) और मनदीप सिंह (14 वर्ष) की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। जबकि आधा दर्जन घायलों का इलाज रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। रामानुजगंज पुलिस ने शनिवार को शव का पंचनामा करवाने के बाद पीएम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। रामानुजगंज थाना प्रभारी अजय साहू ने बताया कि मामले में मर्ग इंटीमेशन के बाद प्राथमिक दर्ज हो गई है। वाहन मालिक का पता चल गया है जल्द फरार आरोपित को पकड़ लिया जाएगा। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से बेकरी में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

पाली : जिले के सुमेरपुर स्थित जवाई बांध रोड पर शनिवार सुबह एक बेकरी में भीषण आग लग गई। हादसा बिजली बोर्ड के ऑफिस के सामने स्थित बाबा ब्रेकर्स नामक दुकान में हुआ। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जो दुकान में लगे एसी से हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब आठ बजे दुकान से धुआं उठता देखा गया, जिसके बाद आसपास के लोगों ने तत्काल दुकान मालिक को सूचना दी। आग लगने की खबर मिलते ही सुमेरपुर और शिवगंज से दमकल की दो गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं। लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए दो-दो फेरे किए, लेकिन तब तक दुकान का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। आग से एसी, फ्रिज, आइसक्रीम और अन्य मशीनरी व सामान पूरी तरह नष्ट हो गए। प्रारंभिक आकलन में लाखों रुपये के नुकसान की बात कही जा रही है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है और आग के पीछे के सटीक कारणों की पुष्टि की जा रही है।

मार्ग दुर्घटना में अस्थियां विसर्जित करने जा रहे दंपति समेत चार की मौत

फतेहपुर : जिले के खागा कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को अस्थियां विसर्जित करने जा रहे झांसी के एक परिवार की कार हाईवे किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार दंपति समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक महिला व बालक सहित दो लोग घायल हो गये। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी देते हुए शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

एक दिवसीय दौरे पर सिमडेगा पहुंची मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

विभागवार समीक्षा बैठक कर दिए कई निर्देश

संवाददाता

सिमडेगा : मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के शिल्पी नेहा तिर्की का सिमडेगा जिला में आगमन हुआ। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह सहित पुलिस अधीक्षक सौरभ, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, एलआरडीसी अरुणा कुमारी, जिला कृषि पदाधिकारी मुनेंद्र दास, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, मत्स्य पदाधिकारी ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने समाहरणालय सभागार में कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं सहकारिता कार्यालय अंतर्गत संचालित कार्य योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सर्वप्रथम कृषि कार्यालय अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने खरीफ एवं रबी मौसम में बीज वितरण की समीक्षा की। लैम्पस के माध्यम से किसानों को बीज मुहैया की जाती है। मंत्री ने जिले के क्रियाशील लैम्पस की जानकारी ली। जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल -94 लैम्प्सहै, जिसमें 45 लैम्प्स क्रियाशील है। अंत में मंत्री ने सभी पदाधिकारियों को जनता के प्रति ईमानदारी से कार्य करते हुए सरकार की जितनी भी महात्वाकांक्षी योजनाएं है उससे किसानों को आच्छादित करने की बात कहीं। कहा कि सिमडेगा जिला की जनता गरीब है, गरीबी के कारण ही बड़ी संख्याओं में बड़े शहरों में पलायन करते हैं। पलायन को रोकने के लिए उन्होंने पदाधिकारी को प्रखंड एवं कलेस्टर वार यूनिक कार्यशाला बनाकर योजनाओं से किसानों को जोड़ने की बात कहीं। उन्होंने बागवानी योजना के तहत लाह की उत्पादन के लिए लाह पेड़ लगवाने हेतु उपायुक्त को निर्देश दिये। साथ ही जिले में बेहतर कृषि कार्य करने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में बेहतर कार्य योजना बनाकर विभाग भेजने की बात कहीं।

केसीसी ऋण योजना की समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी मुनेंद्र दास ने बताया कि वित्तीय वर्ष- 2024-25 में प्रखंडों से आवेदन प्राप्त करते हुए उसकी स्वीकृति कुल 1788 किसान की आवेदन बैंक को समर्पित किया गया है। मंत्री ने कहा कि जिले में निबंधित किसान के आलोक में केसीसी योजना से आच्छादित किसान बहुत ही कम है। जिसे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि अगस्त माह 2025 तक 5000 नए किसानों को केसीसी ऋण योजना से आच्छादित करेंगे। इसके लिए जिले के सभी 94 पंचायत में दो-दो दिन का कैंप आयोजन करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने किसान ऋण माफी योजना के तहत जिले में कितने किसानों का ऋण माफी किया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि 2020 से पहले जो किसान केसीसी ऋण लिए थे उनकी संख्या लगभग 11000 है। जिसमें से 9000 से अधिक किसानों का ऋण माफ किया गया है। ऋण माफी को लेकर किसानों में फैली भ्रम को दूर करने हेतु जागरूकता अभियान चलाने की बात कहीं कि जो किसान 2020 से पहले केसीसी योजना लाभ लिए हैं केवल उन्हीं का माफ किया जाएगा। 2021 के बाद अब तक लेने वाले किसानों का केसीसी ऋण माफ नहीं किया गया है। इसकी किसानों के बीच जागरूकता के लिए कृषक मित्र,एटीएम,बीटी एम,प्रखंड कृषिपदाधिकारियों,वी एल डब्लू का वर्कशॉप कराकर उनके माध्यम से जागरूक करने की बात कहीं। जिले में बीज वितरण योजना की स्थिति को देखते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कार्यालय द्वारा इस वित्तीय वर्ष के लिए 5000 क्विंटल बीच की मांग की गई है। उसे रद्द करते हुए 2000 क्विंटल की मांग प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया। सॉइल टेस्ट की समीक्षा की।

जिले में 10000 किसानों का मिट्टी का जांच किया गया है जिसके आलोक में 5000 को ही सॉइल हेल्थ कार्ड दी गई है। लंबित 5000 किसानों का एक सप्ताह के अंदर सॉइल टेस्ट रिपोर्ट उपलब्ध कराने की बात कहीं। कृषि कार्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेला,कार्यशाला, पुरस्कार वितरण आदि कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने की बात कही। परियोजना निदेशक आत्मा द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान जिले के किसानों को कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई कृषि यंत्र किसान का नाम/मोबाइल नंबर सहित सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन के तहत राइस, दाल एवं ऑयल सीड वितरण की जानकारी ली। तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। हॉर्टिकल्चर के तहत ओल, अदरक, मशरूम किट वितरण आदि की समीक्षा के आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। पशुपालन कार्यालय की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की विस्तृत समीक्षा की। जिले में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत सुकर एवं बकरी पालन योजना के लिए किसानों द्वारा आवेदन दिए जाते हैं। जिसके आलोक में मंत्री ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को इस वित्तीय वर्ष 2025 -26 में जिला का लक्ष्य को बढ़ाकर डिमांड भेजने की बात कहीं। इसके साथ ही गाय पालन योजना में लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने का निर्देश दिये। जिले में डायरी के तहत दूध उत्पादन को बढ़ावा देने की बात कहीं। साथ ही संग्रह केंद्रों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव भेजने को कही। मत्स्य कार्यालय अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा मत्स्य पालन के तहत जिले में संचालित योजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने जिले के राजस्व तालाब का बंदोबस्ती में एक समिति द्वारा तीन से अधिक बंदोबस्ती ना ले सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मिट्टी से भरे तालाबों का जीर्णोद्धार भूमि संरक्षण से कराने की बात कही। इसके अलावा भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने तालाब निर्माण एवं डीप बोर की समीक्षा की। बैठक में विधायक कोलेबिरा नमन विक्सल कोंगाड़ी, उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, विधायक प्रतिनिधि सिमडेगा संतोष कुमार,कोलेबिरा विधायक प्रतिनिधि सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

युवती की तस्वीर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का केस दर्ज

जमशेदपुर: मानगो चंद्रावती नगर के एक व्यक्ति ने एमजीएम थाना में आरवीएस स्कूल के पास रहने वाले प्रतिक मोहंती और नवनीत यादव पर युवती का फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रुपये वसूलने की प्राथमिकी दर्ज करायी है। मामला नवंबर 2018 से अक्तूबर 2024 के बीच का है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित ने बताया है कि प्रतिक मोहंती ने पहले बेटी के साथ दोस्ती की। उसके बाद बेटी की तस्वीर वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपये वसूलता रहा। परिवार को धमकी देता था कि उसकी

मामला नवंबर 2018 से अक्तूबर 2024 के बीच का है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित ने बताया है कि प्रतिक मोहंती ने पहले बेटी के साथ दोस्ती की।

पहचान पुलिस वालों से है। अगर वह इसकी शिकायत पुलिस से करेगा, तो जान से मार देंगे। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

अस्पताल में महिला स्वास्थ्य पदाधिकारी पर हमला, हालत गंभीर, पति संदेह के घेरे में

संवाददाता

जमशेदपुर: एमजीएम थाना क्षेत्र के रुहीडीह स्थित आरोग्यम आयुष्मान मंदिर स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार की सुबह स्वास्थ्य पदाधिकारी ज्योति कुमारी पर हमला हो गया। घायल अवस्था में घरवालों ने उन्हें पहले एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति बिगड़ने पर टीएमएच ले जाया गया। घटना सुबह 8.30 बजे की है। स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ) ज्योति कुमारी के पति विजय मोहन सिंह के अनुसार वे अस्पताल के उपरी हिस्से में बने क्वार्टर में थे। इसी बीच कुछ लोग अस्पताल पहुंचे तो पत्नी गेट खोलने गयी। जिसके बाद युवकों ने पत्नी पर कुदाल से हमला कर दिया। हमलावर चार की संख्या में थे। कुछ देर होने के बाद मैंने पत्नी को आवाज लगायी, लेकिन कोई जवाब नहीं आया, जिसके बाद नीचे गया तो पत्नी को लहूलुहान पाया। घर में बच्चे भी नहीं थे। दोनों बच्चे अपने मामा के साथ सैलून बाल कटाने गये थे। पत्नी आरोग्यम आयुष्मान मंदिर स्वास्थ्य केंद्र में सीएचओ (स्वास्थ्य पदाधिकारी) के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र से कुछ दूरी पर शराब भट्ठी है। जहां अक्सर अड्डेबाजी होती है। कुछ दिनों पूर्व लोगों ने एक पेंड़ काट दिया था। जिसकी जांच करने वन विभाग की टीम पहुंची थी। टीम के लौटने के बाद कुछ लोगों ने हमें धमकी दी थी, जिसकी शिकायत हमलोगों ने पुलिस से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सिविल सर्जन समेत स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची टीएमएच : इधर, घायल ज्योति कुमारी के भाई प्रेम प्रकाश महतो के अनुसार वह दोनों भगीना को लेकर सैलून गया था। इस बीच 8 138 बजे जीजा जी (विजय मोहन सिंह) का फोन आया कि बहन पर किसी ने हमला कर दिया। जिसके बाद हमलोग पहुंचे। हमलावरों ने कुदाल से सिर पर हमला किया है। इधर, जानकारी मिलने पर सिविल सर्जन साहिर पाल समेत स्वास्थ्य विभाग की टीम टीएमएच पहुंची। इस घटना से सभी हैरान हैं। इसके अलावा दूसरे स्वास्थ्य केंद्र से टीएमएच पहुंची सीएचओ भी इस घटना के बाद से काफी भयभीत हैं।

पुलिस को सीएचओ के पति पर संदेहः घटना की जानकारी मिलने पर एमजीएम थाना की पुलिस घटनास्थल और टीएमएच पहुंची। घायल सीएचओ के पति से पुलिस ने जब पूछताछ की। उनकी बातों को सुनकर पुलिस मामले को संदेहास्पद मान रही है। पुलिस का कहना है कि विजय मोहन सिंह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अस्पताल के गेट को विजयमोहन सिंह द्वारा बंद कर दिया गया था। आसपास के लोगों ने भी हमलावरों को नहीं देखा है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरा के बंद होने का कारण पूछा, तो विजय मोहन सिंह ने बताया कि गुरुवार की रात तेज हवा चलने के कारण उन्होंने कैमरा को बंद कर दिया था। उनके बच्चों से पूछताछ करने पर आना कानी कर रहे थे। उनकी बातें संदेहास्पद प्रतीत होती है। हालांकि पुलिस सभी बिंदु पर जांच कर रही है। हमलावर का पता लगाया जा रहा है।

विजय मोहन की दूसरी पत्नी है सीएचओः जानकारी के अनुसार घायल सीएचओ ज्योति कुमारी विजय मोहन सिंह की दूसरी पत्नी है। विजय मोहन सिंह की पहली पत्नी का निधन हो चुका है। विजय मोहन सिंह खुद को होम्योपैथी का डॉक्टर बताते हैं।

महायज्ञ महोत्सव सह मेला में उमड़े लोग

उडीसा की कीर्तन मंडली ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर बांधा समां

कोलेबिराः प्रखंड अंतर्गत बरसलोया में आयोजित चार दिवसीय अखंड हरिकीर्तन महोत्सव के तीसरी दिन उड़ीसा की कीर्तन मंडली ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। जिसमें विभिन्न कीर्तन मंडली ने आकर्षक झांकी निकाली इसके साथ भव्य मेला का शुभ्रारंभ किया गया।अखंड हरिकीर्तन में बरसलोया बस्ती, रामजड़ी, बानो, भिजपुर केतुंगा झारखंड और ओडिशा की कई प्रमुख कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। इनमें ओडिशा के समलपुर मंडली, रियु की जय दुर्गा और जय गणेश कीर्तन मंडली, फुलवा टांगर सहित अन्य मंडलियाँ शामिल रहीं। शुक्रवार को पूणार्हुति, नगर भ्रमण और महाभंडारे के साथ भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर ओडिशा से आए लोकप्रिय कलाकार उर्मिला महतो, सुमन गुप्ता एवं अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे।पूजा अनुष्ठान में पुरोहित की भूमिका पवन शर्मा और अवधेश पाढ़ी ने निभाई, वहीं यजमान के रूप में अमित सिंह अपनी धर्मपत्नी बिनीता देवी के साथ उपस्थित रहे। माला जापक के रूप में सुधांशु शेखर आचार्य, गणेश दास, अवधेश पाढ़ी, बालेश्वर मिश्रा, संदीप पति, नितेश दास समेत कई श्रद्धालु शामिल रहे।मौके पर मुख्य पुजारी पवन शर्मा,अध्यक्ष रूपेंद्र साहू,कोषाध्यक्ष नीतीश दास,सचिव युधिष्ठिर सिंह, महामंत्री रोहित साहू,,संरक्षक राधेश्याम साहू, प्रमोद साहू , महेंद्र साहू, ओमप्रकाश साहू, संभू नाथ साहू,रोहित सिंह, सकिंदर ओहदार, अभिषेक साहू, विक्रम साहू, बब्लू सोनार, बॉबी कुमार बराई,सदस्य शुभम साहू, संगम साहू, कपिल साहू,अमित सिंह, संजू राम, आदर्श साहू, सुनील सिंह, स्मिथ कुमार सोनी, रामलाल साहू,राहुल सोनी, संतोष मिश्रा, दशरथी साहू, मनीष साहू, चिंता मणि सोनार,बिट्टू साहू, पुजा व्यवस्था अयोध्या सोनार, रूपेश गोप, सुधांशु शेखर आचार्य, मनीष साहू,, नीरज साहू, पुरण साहू रूपू सोनार ,श्याम शिखर सोनार, नरेश साहू,सूरज सोनी, पर्सन साहू, आकाश सिंह,नीति कुमारी, श्रुति कुमारी, नंदिनी कुमारी, रानी कुमारी, के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

राजस्थान कोटा में आयोजित जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेगा गुमला का पहलवान

संवाददाता

गुमला : जिला कुश्ती संघ के सचिव सह कुश्ती प्रशिक्षक निलेश कुमार साहू ने बताया कि भारतीय कुश्ती संघ एवं राजस्थान कुश्ती संघ द्वारा आगामी 19 से 21 अप्रैल 2025 तक राजस्थान के कोटा में आयोजित जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गुमला जिले के पुरुष पहलवान प्रहलाद कुमार साहू 92 किलो भार वर्ग मे झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम में शामिल होने पर जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार , गुमला जिला जिला कुश्ती संघ अध्यक्ष संजय कुमार सिंह , उपाध्यक्ष लाल चंद्रशेखर नाथ साहदेव, गिरजा साहू, राकेश कुमार, संदीप कुमार सोनी एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

तालाब में डूबने से वृद्ध की मौत,24 घंटे बाद भी नहीं मिला शव

गुमला : जिला अंतर्गत स्थित घाघरा थाना के कुगॉव निवासी वृद्ध भिखुवा उरांव की पोखरा में डूबने से मौत हो गयी थी। लेकिन 24 घंटे बीतने के बाद भी उसका शव अभी तक तालाब से नहीं निकाला जा सका है। हालांकि नौका एवं जाल के सहारे उक्त शव को निकाले जाने को लेकर काफी प्रयास किया जा रहा है। इसके बावजूद वृद्ध भिखुवा उरांव का शव अब - तक नहीं मिल पाया है। घाघरा थाना प्रभारी पुनीत मिंज ने बताया कि घटना के बाद एनडीआरएफ की टीम को मेल कर घटना की जानकारी दी गयी है। अब देखना यह है कि भिखुवा उरांव का शव कब तक ढूंढा जा सकता है। समाचार लिखे जाने तक शुक्रवार को उक्त शव नही मिल पाया है , इधर उक्त शव को ढूढने के क्रम में उक्त पोखरा के आसपास सैकड़ो ग्रामीणों की भीड़ लगी हुई है। इधर शव नहीं मिलने से मृतक के परिजन काफी परेशान हैं उनका रो-रो कर बुरा हाल है।

दो नाबालिग बच्चे भटक कर घाघरा प्रखण्ड मुख्यालय पहुंचे, थाना को सौंपा गया

उक्त नाबालिग बच्चों के माता-पिता एवं परिजनों की खोज में जुटी सिसई पुलिस

संवाददाता

गुमला : जिला अंतर्गत स्थित सिसई थाना क्षेत्र के डीपा टोली निवासी नाबालिक आनंद उरांव एवं सिसई थाना क्षेत्र के बरटोली निवासी नाबालिक आयुष राज , दोनों नाबालिक बच्चे किसी छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं , पर वह दोनों नाबालिक बच्चे अपने छात्रावास का रास्ता भटककर घाघरा प्रखण्ड मुख्यालय पहुंचकर रोने लगे जहां उपस्थित नागरिकों ने नाम पता पूछा तो उन्होंने अपना अपना नाम आनंद उरांव और आयुष राज तो बता दिया पर उन्होंने अपने छात्रावास का नाम बताने में असमर्थता जताई । तब घाघरावासियों ने उक्त दोनों

नाबालिक लड़कों को सकुशल घाघरा थाना पुलिस को सौंप । जिसपर घाघरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, सिसई थाना पुलिस को उक्त संबंधित सूचना से अवगत कराते हुए ,

तब घाघरावासियों ने उक्त दोनों नाबालिक लड़कों को सकुशल घाघरा थाना पुलिस को सौंप ।

सिसई थाना स्थित दीपा टोली और बरटोली ग्राम में उक्त दोनों नाबालिक बच्चों के माता-पिता एवं परिजनों का पता लगने में जुट सिसई पुलिस , फिलहाल उक्त दोनों नाबालिक बच्चों का अच्छी तरह से देखरेख कर रही हैं। घाघरा पुलिस , इधर घाघरावासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों से वैसे लापरवाही बरतने वाले छात्रावास पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग करते हुए आम नागरिकों ने आरोप लगाया है कि जिला के विभिन्न छात्रावासों में छोटे-छोटे बच्चों का नामांकन तो कर लेते हैं , पर अधिकांश छात्रावासों में छोटे-छोटे मासूम नाबालिक बच्चे - बच्चियों का सही तरीके से देखरेख नहीं करते हैं ऐसा क्यों? और दोषी कौन ? पर प्रश्न चिन्ह लगता हैं, और वैसे लोगों को चिन्हित कर उनपर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए ,उन्हें उनके पदों से हटाने की मांग की जा रही हैं